RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 24 AUGUST 2022 TO 30 AUGUST 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 07 ■ अंक 50 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

ओएनजीसी लगातार तीसरी बार अंतरिम अध्यक्ष के लिए तैयार

Page 2

जीएसटी कलेक्शन बढ़ने के बाद भी कम होगी रेवेन्यू ग्रोथ

Page 3

मोरेटोरियम, क्वारंटीन के बाद अब 'टोकनाइजेशन'...

Page 5

editoria!

कर्ज का फर्जीवाड़ा

स्मार्ट फोन एप के जरिये कर्ज देकर लोगों से की जा रही जबरन उगाही के मामले बढ़ते जा रहे हैं. ऐसी कुछ शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस ने देशभर में कई लोगों को गिरफ्तार किया है, जो 500 करोड़ रुपये के फर्जीवाड़ा में शामिल हैं. इस गिरोह का नियंत्रण चीन और हांगकांग से हो रहा था, जो सौ से भी अधिक एप के इस्तेमाल से लोगों की संवेदनशील सूचनाएं चुराकर चीन और हांगकांग में स्थित सर्वरों पर अपलोड करता था. यह अपराध बहुत ही सुनियोजित तरीके से हो रहा है. फर्जी नामों और दस्तावेजों पर ढेर सारे फोन नंबर लिये जाते हैं तथा बैंकों में खाता खोला जाता है. धंधे को चलाने के लिए कॉल सेंटर तक बने हुए हैं. लोग मजबूरी में कर्ज के रूप में कुछ पैसा इन एप से लेते हैं, फिर उन्हें ब्लैकमेल कर पैसा ऐंठा जाता है. सामाजिक बदनामी के डर से बहुत से लोग पैसा देते भी हैं. उस धन को यह गिरोह हवाला और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से चीन भेजता है. दिल्ली पुलिस की कार्रवाई के बाद इस गिरोह ने वसूली करने वाले कॉल सेंटर पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश स्थानांतरित कर दिया है. रिजर्व बैंक, पुलिस और जानकारों द्वारा लगातार हिदायत दी जाती रही है कि केवल अधिकृत बैंकों और संस्थाओं से ही कर्ज लेना चाहिए, फिर भी जागरूकता के अभाव में तथा पैसे की जरूरत से लाचार लोग ऑनलाइन धोखाधड़ी के जाल में फंस जाते हैं. यह अपराध ऑफलाइन भी चल रहा है. देशभर में गली-मुहल्लों में आधार कार्ड से कर्ज लेने और क्रेडिट कार्ड से नकदी निकालने के पोस्टर दुकानों पर देखे जा सकते हैं. ऐसे गिरोह लोगों के बैंक खातों और क्रेडिट कार्ड की जानकारियां चुराकर पैसे निकालते हैं. पहले फोन से होने वाले वित्तीय अपराध देश के भीतर से संचालित होते थे, पर अब यह मामला तकनीकी रूप से भी जटिल हुआ है तथा इसके जाल कई देशों तक फैल चुके हैं. अप्रैल में रिजर्व बैंक ने ऐसे 600 अवैध एप की पहचान की थी, जिनमें वे कुछ एप भी थे, जिन्हें सरकार ने प्रतिबंधित किया है. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2020 में हुए साइबर अपराधों में से 60 फीसदी से अधिक धोखाधड़ी के थे. चूंकि मामला एप का है, तो पाबंदी लगाने के साथ गूगल व एप्पल जैसी उन तकनीकी कंपनियों पर भी दबाव बनाना चाहिए, जो इन एप को वितरित करते हैं. चीन, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और अन्य देशों से कूटनीतिक स्तर पर वार्ता कर अपराधियों पर लगाम लगाने का प्रयास होना चाहिए. पुलिसकर्मियों को भी प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है. जो लोग फर्जीवाड़े के पीड़ित हैं, उन्हें बेहिचक इसकी शिकायत दर्ज करानी चाहिए. ऐसा करने से उन्हें तो न्याय मिलेगा ही, साथ ही कई और लोग अपराधियों का शिकार होने से बच जायेंगे. लोगों की गाढ़ी कमाई लूटने वाले गिरोह कस्बों से लेकर महानगरों तक फैले हुए हैं, इसलिए हम सभी को सतर्क रहना चाहिए.

कच्चे तेल का उत्पादन जुलाई में 3.8 प्रतिशत घटकर 24.5 लाख टन पर

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारत का कच्चे तेल का उत्पादन इस साल जुलाई में 3.8 प्रतिशत घट गया। सार्वजनिक क्षेत्र की ओएनजीसी और निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा संचालित क्षेत्रों से कम उत्पादन के कारण कच्चे तेल का उत्पादन घटा है। सरकार की तरफ से मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, कच्चे तेल का उत्पादन जुलाई में घटकर 24.5 लाख टन रह गया, जो एक साल पहले समान महीने में 25.4 लाख टन था। कच्चे तेल का प्रसंस्करण कर ही पेट्रोल और डीजल ईंधन का उत्पादन किया जाता है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि जुलाई में कच्चे तेल का उत्पादन 25.9 लाख टन के मासिक लक्ष्य से कम है।

ऑयल एंड नैचुरल गैस लि. (ओएनजीसी) ने पश्चिमी अपतट से इस दौरान 16.3 लाख टन कच्चे तेल का उत्पादन किया, जो 1.7 प्रतिशत कम है। निजी कंपनियों द्वारा संचालित क्षेत्रों में उत्पादन में 12.34 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। हालांकि, चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों के दौरान कच्चे तेल का उत्पादन 99.1 लाख टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 99.6 लाख टन के उत्पादन से थोड़ा ही कम है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने चार अगस्त को ट्वीट कर कहा था कि कच्चे तेल के उत्पादन में गिरावट का रुख पलट गया है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, गुजरात और असम में ओएनजीसी के तेल क्षेत्रों ने कच्चे तेल का कम उत्पादन किया जबकि वेदांता के राजस्थान ब्लॉक में कम उत्पादन हुआ। मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, प्राकृतिक गैस का उत्पादन जुलाई में लगभग 2.88 अरब घनमीटर पर अपरिवर्तित रहा। वहीं, अप्रैल-जुलाई के दौरान यह 3.4 प्रतिशत बढ़कर 11.43 अरब घनमीटर हो गया। मुंबई के अपतटीय दमन क्षेत्र में कम गैस उत्पादन के कारण जुलाई में ओएनजीसी का गैस उत्पादन लगभग चार प्रतिशत कम था। ईंधन की मांग बढ़ने के कारण देश की 22 तेल रिफाइनरियों ने 2.14 करोड़ टन कच्चे तेल का प्रसंस्करण किया, जो 10.52 प्रतिशत अधिक है।

रुपया तीन पैसे टूटकर 79.86 प्रति डॉलर पर

मुंबई। एजेंसी

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और घरेलू शेयर बाजार में मिलेजुले रुख के चलते रुपया बुधवार को तीन पैसे की गिरावट के साथ 79.86 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.84 पर खुला। इसने दिन के कारोबार के दौरान अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 79.68 के ऊपरी और 79.87 के निचले स्तर को देखा।

कारोबार के अंत में यह पिछले बंद भाव के मुकाबले तीन पैसे टूटकर 79.86 पर बंद हुआ। पिछले सत्र में रुपया 79.83 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत बढ़कर 108.65 पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजार में तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 54.13 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59,085.43 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 27.45 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,604.95 अंक पर बंद हुआ।

शेयर बाजार के अस्थायी आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को शुद्ध रूप से 23.19 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। शेयरखान में शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और घरेलू शेयर बाजार के मिलेजुले रूख की वजह से रुपये ने सीमित दायरे में कारोबार किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजारों में कमजोरी के चलते सुरक्षित निवेश की धारणा से डॉलर को मजबूती मिली। वहीं विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के पैसा लगाने से रुपये को समर्थन मिल सकता है।

क्या यूपीआई से पेमेंट करने पर कटेगा चार्ज?

वित्त मंत्रालय ने बताया साफ-साफ

नई दिल्ली। एजेंसी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यूपीआई के जरिए किए जाने वाले भुगतान पर चार्ज लगा सकता है। ऐसी खबर पिछले कुछ दिनों से चर्चा में थी। मगर इस बीच वित्त मंत्रालय ने राहत भरी जानकारी दी है। वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि सरकार यूपीआई पेमेंट सर्विस पर किसी तरह का चार्ज लगाने पर विचार नहीं कर रही है। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा, यूपीआई एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो जनता के लिए अत्यधिक सुविधाजनक है और अर्थव्यवस्था में इसका बड़ा योगदान है। सरकार यूपीआई पेमेंट सर्विस पर किसी तरह का चार्ज लगाने पर विचार नहीं कर रही है। सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए कॉस्ट रिकवरी के लिए अन्य विकल्पों पर विचार किया जाएगा। डिजिटल पेमेंट ईको सिस्टम को मजबूत करने के लिए सरकार ने पिछले साल आर्थिक मदद का ऐलान किया था। यह मदद इस साल भी जारी रहेगी।'

लोग खूब कर रहे यूपीआई का इस्तेमाल

एनपीसीआई की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, देश में हर महीने यूपीआई पेमेंट का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। आंकड़े बताते हैं कि देश में कुल 600 करोड़ ट्रांजैक्शन सिर्फ बीते जुलाई के महीने में किए गए हैं। इसमें कुल 10.2 लाख करोड रुपये की रकम की लेन-देन की गई है। देश में यूपीआई इस्तेमाल करने वालों की दर में करीब 7 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है।

News यू केन USE

अंतराष्ट्रीय सीमा क्षेत्रों में दूरसंचार संपर्क के लिए लाइसेंस नियमों में संशोधन

नयी दिल्ली। एजेंसी

दूरसंचार विभाग ने नियमों में संशोधन करते हुए अंतराष्ट्रीय सीमा क्षेत्रों में दूरसंचार संपर्क से 'अंकुश' हटा दिया है। इससे इन स्थानों पर अब बेहतर नेटवर्क उपलब्ध हो सकेगा। दूरसंचार कंपनियों को अभी तक सीमा के पास के स्थानों पर सेवाएं उपलब्ध कराने की अनुमति नहीं थीं। कंपनियों को सीमा से थोड़ा आगे 'सिग्नल' को हल्का करना पड़ता था।लाइसेंस के पूर्व के सुरक्षा प्रावधान के अनुसार, मोबाइल दूरसंचार सेवाएं देने के लिए बेस स्टेशन, सेल स्टेशन और रेडियो ट्रांसमीटर को अंतराष्ट्रीय सीमा के पास 'व्यवहार्य' दूरी पर लगाने की जरूरत होती थी। इस उद्देश्य के लिए दूरसंचार कंपनियों को उचित तकनीकी ढांचा लगाने की जरूरत होती थी। विभाग की तरफ मंगलवार को जारी सर्कुलर के अनुसार, इस शर्त को अब हटा दिया गया है। सूत्रों ने कहा कि इस कदम से सीमा क्षेत्रों में दूरसंचार कवरेज में सुधार होगा और लोगों को सेवाओं से वंचित नहीं रहना होगा।

अगले पांच साल में कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की 25 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी : मर्सिडीज-बेंज

मुंबई। एजेंसी

जर्मनी की लक्जरी कार कंपनी मर्सिडीज-बेंज ने उम्मीद जताई है कि अगले पांच साल में भारत में उसकी कुल वाहन बिक्री में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों की होगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह बात कही। कंपनी की भारतीय इकाई मर्सिडीज-बेंज इंडिया देश में अपनी इलेक्ट्रिक वाहन यात्रा में तेजी लाने की रणनीति के तहत अगले चार महीने में तीन इलेक्ट्रिक वाहन उतारेगी। इसी योजना के तहत कंपनी ने बुधवार को पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कार मर्सिडीज-एएमजी ईक्यूएस 53 4मैटिक पेश की है। इसकी शोरूम कीमत 2.45 करोड़ रुपये से शुरू है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी मार्टिन श्वेंक ने कहा, ''हम यह कहते हुए बेहद आशान्वित हैं कि अगले पांच साल में इलेक्ट्रिक वाहनों की हमारी कुल बिक्री में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।'' कंपनी ने वर्ष 2021 में कुल 11,242 इकाइयों की बिक्री की थी। जबकि 2022 में अभी तक कंपनी ने 7,573 इकाइयों की बिक्री की है। श्वेंक ने कहा कि कंपनी की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी अभी एक अंक में है लेकिन अगले साल से जब नए इलेक्ट्रिक मॉडलों की पूर्ण उपलब्धता होगी तो इसमें बढ़ोतरी होगी।

आयात-निर्यात के आंकड़ों का अनधिकृत प्रकाशन अब शमनीय अपराध होगा: वित्त मंत्रालय

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

वित्त मंत्रालय ने कहा है कि आयात-निर्यात के आंकड़ों का अनधिकृत प्रकाशन करना अब शमनीय अपराध होगा और ऐसा अपराध करने वाला व्यक्ति एक लाख रुपये की समझौता राशि का भुगतान करके अभियोजन से बच सकता है। बजट 2022-23 में सीमा शुल्क अधिनियम में धारा 135एए जोड़ी गई है। इसके तहत आयात या निर्यात से संबंधित मूल्य या मात्रा की जानकारी का अनधिकृत प्रकाशन करना एक शमनीय या समाधेय अपराध होगा और जिसमें छह महीने तक की जेल या 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने सीमा शुल्क कानून में धारा 135एए को जोड़कर सीमा शुल्क (अपराधों का शमन) संशोधन नियम, 2022 में संशोधन को 22 अगस्त को अधिसूचित किया। इन संशोधनों के मुताबिक, अपराधी को ''पहले अपराध पर एक लाख रुपये'' का शमन शुल्क अदा करना होगा और इसके बाद हर अपराध के लिए यह राशि 100 प्रतिशत बढ़ा दी जाएगी। शमन के तहत अपराधी को अपने अपराध को स्वीकार करते हुए अभियोजन से बचने के लिए तय शुल्क अदा करना होता है।

ओएनजीसी लगातार तीसरी बार अंतरिम अध्यक्ष के लिए तैयार

नयी दिल्ली। एजेंसी

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) लगातार तीसरी बार अंतरिम चेयरमैन के लिए तैयार है। सूत्रों ने कहा कि यह पद खाली होने के 17 महीने बाद भी भारत की सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाली कंपनी में किसी पूर्णकालिक प्रमुख नहीं चुना गया है। ओएनजीसी अप्रैल 2021 से किसी नियमित चेयरमैन और प्रबंध निदेशक के बिना है। कंपनी बोर्ड के सबसे वरिष्ठ निदेशक सुभाष कुमार को 31 मार्च 2021 को शशि शंकर के सेवानिवृत्त होने के बाद कार्यवाहक प्रमुख नामित किया गया था। जब कुमार सेवानिवृत्त हुए तो 31 दिसंबर, 2021 को मानव संसाधन निदेशक अलका मित्तल को अतिरिक्त प्रभार दिया गया। इस मामले की जानकारी रखने वाले दो अधिकारियों

ने कहा कि मित्तल इस महीने के अंत में सेवानिवृत्त हो जाएंगी और यदि उन्हें सेवा विस्तार नहीं दिया गया तो अगले वरिष्ठतम निदेशक राजेश कुमार श्रीवास्तव, जो निदेशक (अन्वेषण) हैं, को अंतरिम प्रमुख के रूप में नामित किया जा सकता है। यदि ऐसा हुआ तो लगातार तीसरी बार अंतरिम चेयरमैन का चुनाव एक रिकॉर्ड होगा। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने अभी तक पूर्णकालिक चेयरमैन का चुनाव नहीं किया है। इस संबंध में इस साल फरवरी में एक खोज एवं चयन समिति का गठन किया गया था, लेकिन वह वर्तमान महीने काम शुरू कर सकी। अधिकारियों ने बताया कि समिति ने तेल मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित उच्च पात्रता आयु सीमा के आधार पर नौ उम्मीदवारों की छंटनी की है, जिनमें से ज्यादातर मौजूदा निदेशक हैं। इन उम्मीदवारों में मित्तल और श्रीवास्तव के साथ ही ओएनजीसी बोर्ड के तीन अन्य निदेशक - ओम प्रकाश सिंह (निदेशक, प्रौद्योगिकी और फील्ड सेवाएं), पंकर कुमार (निदेशक, ऑफशोर) और अनुराग शर्मा (निदेशक, ऑनशोर) शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि छांटे गए अन्य उम्मीदवार ओएनजीसी से बाहर के हैं और इनमें तेल विपणन कंपनियों के प्रमुख भी शामिल हैं। समिति उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेगी और तेल मंत्रालय को सिफारिशें भेजेगी। इसके बाद अंतिम समीक्षा और मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) के पास इसे भेजा जाएगा।

भारती एक्सा ने लाइफ इंश्योरेंस बिक्री में पीजी पोग्राम की पेशकश के लिए ग्रेट लर्निंग के साथ साझेदारी की

प्रोग्राम द्वारा भारती एक्सा लाइफ के साथ फुल-टाइम नौकरी की पेशकश

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

भारती एक्सा लाइफ, भारत के अग्रणी कारोबारी समूहों में से एक भारती एंटरप्राइजेज और दुनिया की सबसे बड़ी बीमा कंपनियों में से एक एक्सा के बीच संयुक्त उपक्रम, ने आज ग्रेट लर्निंग के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है। ग्रेट लर्निंग प्रोफेशनल लर्निंग और उच्च शिक्षा के लिए काम करने वाली एक अग्रणी वैश्विक एडटेक कंपनी है। इस साझेदारी का मकसद पोस्ट ग्रैजुएट प्रोग्राम इन लाइफ इंश्योरेंस सेल्स पाठयक्रम को तैयार करना और उसे वितरित करना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों को भारत में सबसे तेजी से बढ़ते डोमेन में से एक यानी जीवन बीमा में कॅरियर शुरू करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किए जाने पर भारती एक्सा लाइफ के साथ फुल टाइम नौकरी की पेशकश करना है। 8 महीने लंबे कार्यक्रम में उद्योग के विशेषज्ञों और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन के साथ 2 महीने की मिश्रित, वर्चुअल और सेल्फ-पेस्ड लर्निंग शामिल है। इसके बाद प्रोबेशन के साथ छह महीने के लिए रोजगार दिया जाएगा। भारती एक्सा लाइफ कार्यक्रम की शुरुआत में चयनित उम्मीदवारों को एक प्रॉविजनल ऑफर लेटर भी प्रदान करेगा। शिक्षार्थियों को भारती एक्सा लाइफ शाखा में प्रोबेशन के साथ अपने 6 महीने के रोजगार के दौरान समर्पित प्रशिक्षण मिलेगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य उत्साही स्नातकों (किसी भी स्ट्रीम से) की पहचान करना और उन्हें बीमा उद्योग के सभी आवश्यक पहलुओं को शामिल करते हुए समग्र प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिसमें सॉफ्ट स्किल्स से लेकर व्यक्तित्व विकास और बेहतर प्रक्रिया प्रबंधन के लिए नए जमाने के डिजिटल टूल का उपयोग शामिल है। उम्मीदवार अपने कॉलेज के अंतिम वर्ष में हो सकते हैं या उनके पास 4 साल तक का कार्य अनुभव हो सकता है। इसका उद्देश्य शिक्षार्थी को उद्योग के लिए जरूरी कौशल के साथ नौकरी के लिए तैयार करना और भारती एक्सा लाइफ में फ्रंट लाइन सेल्स की भूमिकाओं के लिए तैयार करना है।

इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए भारती एक्सा लाइफ में ह्यूमन रिसोर्सेज की हेड (डेजिगनेट) धनश्री ठक्कर ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में, हमने बीमा उद्योग में गुणवत्तापूर्ण सेल्स प्रोफेशनल्स और प्रतिभाओं की बढ़ती जरूरत को देखा है। इसके अलावा भारत में जीवन बीमा की कम पहुंच को देखते हुए ये लोग ग्राहकों के बीच वितरण और इसे अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारती एक्सा लाइफ में, हम कौशल प्रशिक्षण के साथ करियर के मामले में आकर्षक अवसर पैदा करने में विश्वास करते हैं। हमें इस साल की शुरुआत में ग्रेट प्लेस टू वर्क से सर्टिफिकेशन हासिल हुआ, जो हमारे निरंतर प्रयासों का एक प्रमाण है। ग्रेट लर्निंग के साथ हमारे सहयोग के माध्यम से, हम एक ऐसा अवसर प्रदान करना चाहते हैं जो सेल्स प्रोफेशनल्स को अपने कौशल को और मजबूत करने में सक्षम बनाता है, जिससे वे अपने करियर में आगे बढ़ते हैं। हमें उम्मीद है कि यह कार्यक्रम उन्हें अपने ज्ञान को बढ़ाने और इस क्षेत्र में एक लंबे और फायदेमंद कॅरियर के लिए आवश्यक योग्यतायें हासिल करने में मदद करेगा।'

भारतीय कंपनियों के रूसी प्रतिबंधों की अनदेखी करने का कोई प्रमाण नहीं : अमेरिका

मुंबई। एजेंसी

भारतीय कंपनियों ने यूक्रेन पर हमले के बाद रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को दरकिनार कर दिया, 'इस बात कोई प्रमाण नहीं' है। अमेरिका के उप वित्त मंत्री वैली अडेयेमो ने बुधवार को यह बात कही। अडेयेमो ने यहां आईआईटी-बंबई की यात्रा के दौरान संवाददाताओं से कहा, कि मैंने रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को दरकिनार करने वाली भारतीय कंपनियों के कोई सबूत नहीं देखे हैं। उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका और यूरोप समेत दुनियाभर की कंपनियां प्रतिबंधों को गंभीरता से ले रही हैं और उन्हें लागू भी कर रही हैं। यह टिप्पणी उन रिपोर्टों के कुछ दिनों बाद आई है जिनमें रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा के हवाले से कहा गया है कि अमेरिका इस बात से चिंतित है कि उसके द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए रूसी कच्चे तेल से बने ईंधन का निर्यात करने के लिए भारत का इस्तेमाल किया जा रहा है। पात्रा के अनुसार, रूसी कच्चे तेल का स्थानांतरण ऊंचे समुद्रों पर हो रहा है और जहाज गुजरात के एक बंदरगाह पर आते हैं, जहां तेल को परिष्कृत करके भेज दिया जाता है। बुधवार को अपनी तीन दिन की यात्रा शुरू करने वाले अडेयेमो ने कहा कि वह भारतीय अधिकारियों के साथ अपनी बातचीत में रूस और यूक्रेन के साथ-साथ द्विपक्षीय विषयों पर चर्चा करेंगे। देश की आर्थिक राजधानी में दो दिन बिताने के बाद अडेयेमो का नयी दिल्ली की यात्रा का भी कार्यक्रम है। उनकी यात्रा से पहले, अमेरिकी वित्त विभाग ने कहा था कि वह 'ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने, दुनियाभर में खाद्य असुरक्षा और धन के अवैध प्रवाह से निपटने जैसी अहम साझा प्राथमिकताओं पर चर्चा' करेंगे।

सरकार ने कंपनियों के पते के भौतिक सत्यापन से जुड़े नियमों को बदला

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने कंपनियों के पंजीकृत पते के भौतिक सत्यापन के समय पारदर्शी प्रक्रिया तय करने के लिए नियमों को संशोधित किया है। अब सत्यापन के समय पंजीकृत कंपनी कार्यालय की तस्वीर लेने और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी का तरीका अपनाया जाएगा। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने इसके लिए कंपनी अधिनियम, 2014 के तहत निर्धारित सत्यापन नियमों को संशोधित कर दिया है। अधिनियम की धारा 12 के तहत कंपनी रजिस्ट्रार को अगर यह लगता है कि कोई कंपनी सही ढंग से कारोबार नहीं कर रही है, तो वह उसके पंजीकृत पते का भौतिक सत्यापन कर सकता है। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया निर्धारित करते हुए कहा है कि कंपनियों के पंजीकृत पते का भौतिक सत्यापन करते समय स्थानीय स्तर के दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी जरूरी होगी। जरूरी होने पर स्थानीय पुलिस की भी मदद ली जा सकती है। कंपनी के पंजीकरण के समय दिए गए पते से जुड़ी इमारत के दस्तावेजों का भी परीक्षण करना जरूरी होगा। इसके अलावा उस पंजीकृत पते वाली जगह की एक तस्वीर भी ली जाएगी। यह सत्यापन पूरा होने के बाद संबंधित जानकारियों के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। भौतिक सत्यापन के समय अगर यह पाया जाता है कि पंजीकृत पते पर पत्र-व्यवहार नहीं किया जा सकता है, तो संबंधित रजिस्ट्रार कंपनी और उसके निदेशकों को एक नोटिस भेजकर सूचना देने को कहेगा। कंपनी से मिलने वाले जवाब के आधार पर ही यह तय किया जाएगा कि उस कंपनी का नाम सरकारी रिकॉर्ड से हटा दिया जाए या नहीं। इस आशय का प्रावधान कंपनी अधिनियम 2014 में संशोधन के जरिये किया गया है। इस बदलाव के बारे में सिरिल अमरचंद मंगलदास के पार्टनर नवीन कुमार ने कहा कि भौतिक सत्यापन के समय पारदर्शी प्रक्रिया तय करने के लिए नियमों में किए गए संशोधन स्वागतयोग्य हैं। उन्होंने कहा कि ये संशोधन कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा पंजीकृत पते के भौतिक सत्यापन को सक्षम करने वाले बुनियादी कानून को लेकर जारी बहस का भी समाधान करते हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक कंपनी कानून में इस प्रक्रिया का उल्लेख नहीं था। उन्होंने कहा कि संशोधन कंपनी कानून की धारा 12(9) को आगे बढ़ाते हैं और किसी कंपनी के पंजीकृत पते को कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा सत्यापित करने की प्रक्रिया तय करते हैं।

जीएसटी कलेक्शन बढ़ने के बाद भी कम होगी रेवेन्यू ग्रोथ, राज्यों को लेकर क्रिसिल की आशंका

नई दिल्ली। एजेंसी

जीएसटी कलेक्शन अच्छा रहने के बावजूद राज्यों के रेवेन्यु ग्रोथ में गिरावट संभव है। 2020-21 में महामारी के दौरान रेवेन्यु ग्रोथ कम थी और उसकी तुलना में 2021-22 में यह 25 प्रतिशत के बेहतर स्तर पर रही। जीएसटी कलेक्शन अच्छा रहने के बावजूद राज्यों के रेवेन्यु ग्रोथ में गिरावट आ सकती है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। यह रिपोर्ट ग्रॉस स्टेट डोमेस्टिक प्रोडक्शन (जीएसडीपी) में 90 प्रतिशत योगदान देने वाले 17 राज्यों के आकलन के बाद तैयार की गई।

इसमें बताया गया कि 2020-21 में महामारी के प्रकोप के दौरान रेवेन्यु ग्रोथ कम थी और उसकी तुलना में 2021-22 में यह 25 प्रतिशत के बेहतर स्तर पर रही। क्रिसिल ने रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में टैक्स कलेक्शन अच्छा रहने से राजस्व वृद्धि को बल मिलेगा। राज्यों को मिलने वाले रेवेन्यु में 45 प्रतिशत हिस्सेदारी जीएसटी कलेक्शन और केंद्र से हस्तांतरण को मिलाकर होती है और इसके दहाई अंक में बढ़ने का अनुमान है। एजेंसी के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी ने कहा कि रेवेन्यु ग्रोथ को सबसे ज्यादा बल समूचे राज्य जीएसटी संग्रह से मिलेगा जो 2021-22 में 29 प्रतिशत बढ़ गया।

उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि वृद्धि की गति कायम रहेगी और संग्रह चालू वित्त वर्ष में और 20 प्रतिशत बढ़ेगा। अनुपालन का स्तर बेहतर होने, उच्च मुद्रास्फीति का माहौल और सतत आर्थिक वृद्धि इसमें मददगार होगी।'' पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री से मिलने वाले टैक्स कलेक्शन की सपाट या निम्न एवं एकल अंक की वृद्धि (8 से 9 फीसदी) और 15वें वित्त आयोग (13-15 फीसदी) की अनुदान अनुशंसा वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कारक होंगे।

महंगाई पर हर आदमी के लिए आरबीआई गवर्नर का ऐलान

नई दिल्ली। एजेंसी

महंगाई की मार से जूझ रही अर्थव्यस्था के मोर्चे पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) के गर्वनर शक्तिकांत दास ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आरबीआई का टारगेट मुद्रास्फीति को घटाकर अगले दो साल में 4 प्रतिशत पर लाने का है। जुलाई में महंगाई दर घटकर 6.71 प्रतिशत पर आ गई है, यह पिछले चार महीने में पहला मौका है जब मुद्रास्फीति 7 प्रतिशत से नीचे आई है।

रेपो रेट में 140 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी

एक समाचार चैनल को दिए इंटरव्यू में शक्तिकांत दास ने कहा कि मुद्रास्फीति चरम पर है, ऐसे में मूल्य लाभ स्थिर हो रहा है। आरबीआई हर डाटा पर नजर रख रहा है, इस मामले में संतोष करके बैठने की जरूरत नही है। महंगाई को काबू में करने के लिए आरबीआई ने मई के बाद से रेपो रेट में 140 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की है। जिससे यह बढ़कर 5.4 प्रतिशत पर पहुंच गया है। डॉयचे बैंक की रिपोर्ट में सितंबर में रेपो रेट बढ़ाए जाने की उम्मीद जताई गई है।

महंगाई को वैश्विक स्तर पर कई चीजें प्रभावित करती हैं

अपने इंटरव्यू के दौरान आरबीआई गवर्नर ने कहा कि हम आने वाले दो साल में धीरे-धीरे मुद्रास्फीति को कम करना चाहते हैं। हम विकास को रोके बिना आने वाले समय में चार फीसदी के लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा महंगाई को वैश्विक स्तर पर भी कई चीजें प्रभावित करती हैं. महंगाई दर में कमी होने से आम आदमी को राहत मिलेगी। बैंकों के निजीकरण पर अपनी बात रखते हुए दास ने कहा कि आरबीआई केवल बैंकों के नियमन पर नजर रखता है. बैंकों के मालिकाना हक को लेकर केंद्रीय बैंक की किसी तरह की भूमिका नहीं है. यह बात उन्होंने आरबीआई की तरफ से जारी स्वतंत्र लेख पर दी।

16 माह बाद अमेरिकन एक्सप्रेस को भारत में मिली राहत, RBI ने हटाए प्रतिबंध

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने लगभग 16 महीनों के बाद अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प पर लगाए गए व्यावसायिक प्रतिबंधों को हटा दिया है। डेटा भंडारण मानदंडों पर अब फर्म की स्थिति संतोषजनक है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने लगभग 16 महीनों के बाद अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प पर लगाए गए व्यावसायिक प्रतिबंधों को हटा दिया है। आरबीआई के मुताबिक डेटा भंडारण मानदंडों पर अब अमेरिका के बैंकिंग फर्म की स्थिति 'संतोषजनक' है। बता दें कि आरबीआई ने 23 अप्रैल, 2021 को अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प पर कार्रवाई करते हुए प्रतिबंध लगा दिए थे। नए ग्राहकों को जोड़ने पर रोकः आरबीआई ने कहा था कि 1 मई, 2021 से बैंक अपने कार्ड नेटवर्क पर नए घरेलू ग्राहकों को नहीं जोड़ सकेगा। आरबीआई के मुताबिक बैंक ने भुगतान प्रणाली के भंडारण पर नियमों का उल्लंघन किया था। बता दें कि मास्टरकार्ड, वीज़ा, अमेरिकन एक्सप्रेस और डाइनर्स क्लब जैसी कंपनियों को अक्टूबर, 2018 से भारतीय भुगतान डेटा को स्थानीय रूप से संग्रहीत करने की जरूरत है। हालांकि, आरबीआई ने पाया कि अधिकतर कंपनियों ने इस नियम का पालन नहीं किया है। यही वजह है कि अमेरिकन एक्सप्रेस समेत कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए। इससे पहले डाइनर्स क्लब इंटरनेशनल और मास्टरकार्ड पर भी इसी तरह का प्रतिबंध लगाया गया था। डाइनर्स क्लब पर से प्रतिबंध पिछले साल नवंबर में हटा लिया गया था, जबकि मास्टरकार्ड पर प्रतिबंध जुलाई में हटाया गया है।

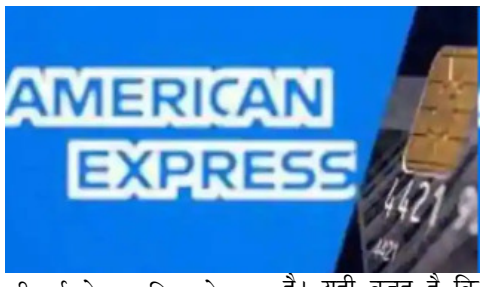

एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल द्वारका ने अंग व टिशू के दान को प्रोत्साहित करने के लिए 'मोस्ट' अभियान लॉन्च किया

पद्मश्री मलिक ने अपने दिल और आँखों का दान करने का संकल्प लिया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

अंगदान एक महान कार्य है, जो उन हजारों लोगों को जीवन की एक नई उम्मीद देता है, जो अंगों के खराब हो जाने के कारण मृत्यु से जूझ रहे हैं। लोगों को बहुमूल्य जिंदगियाँ बचाने का प्रोत्साहन देने के लिए एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल, द्वारका ने पैरालंपिक गेम्स में भारत की पहली महिला स्वर्ण पदक विजेता, डॉ. दीपा मलिक और नोट्टो के डायरेक्टर, डॉ. रजनीश सहाय की उपस्थिति में एक नया अभियान, मणिपाल ऑर्गन शेयरिंग एवं ट्रांसप्लांट (मोस्ट) लॉन्च किया।

भारत में हर साल अंगों के खराब हो जाने के कारण लगभग 4,00,000 लोगों को अंगों का प्रत्यारोपण कराने की जरूरत पड़ती है। बहुत कम लोग यह जानते होंगे कि ब्रेन डेथ के बाद एक व्यक्ति अपना दिल, फेफड़े, लिवर, किडनी, छोटी आँत, और पैन्क्रियाज़ का दान करके 8 ज़िंदगियाँ तक बचा सकता है। ब्रेन डेथ उन लोगों की होती है, जिनके सिर में चोट या आघात लगता है, जिसकी वजह से दिमाग की तो मृत्यु हो जाती है, पर दिल का धड़कना जारी रहता है, जिसके कारण शेष अंग कुछ समय तक जिंदा बने रहते हैं। दूसरी तरफ, आँख, स्किन बोन और हार्ट वॉल्व जैसे टिश्यू किसी भी तरह से मृत्यु होने के बाद 6 से 8 घंटों में दान किए जा सकते हैं।

इस अभियान की मदद से लोग हॉस्पिटल की वेबसाईट पर जाकर नोट्टो में अंगदान करने के लिए खुद का पंजीकरण करा सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. दीपा मलिक और एनसीआर में सभी मणिपाल हॉस्पिटल के 700 से ज्यादा कर्मचारियों ने अपने अंग और आँखों का दान करने का संकल्प लिया। हॉस्पिटल ने अपने एक नए विभाग का लॉन्च भी किया, जिसका उद्देश्य ब्रेन डेथ से मरने वाले लोगों के परिवारों को सहयोग व परामर्श प्रदान करना है, ताकि वो मृत के अंगों का दान करने के लिए प्रोत्साहित हों। इस अभियान के लॉन्च के दौरान डॉ. दीपा मलिक ने कहा, "अंगदान एक महान कार्य है, जो न केवल किसी जरूरतमंद को जीवन की एक नई उम्मीद देता है, बल्कि मृत हो चुके व्यक्ति को उसके दान किए गए अंगों के माध्यम से इस दुनिया में बने रहने का अवसर भी प्रदान करता है। भारत में चिकित्सा क्षेत्र में हुई उन्नति के बाद भी अंगदान के प्रति जागरुकता बहुत कम है और लोगों को यह जानकारी नहीं कि अंगदान से कितने लोगों की जान बचाई जा सकती है। अंगों का प्रत्यारोपण कराने की आवश्यकता बहुत तेजी से बढ़ी है और इस आवश्यकता एवं अंगों की उपलब्धता के बीच का अंतर कम करने के लिए लोगों को आगे आने की जरूरत है। मैं सभी भारतीयों से निवेदन करती हूँ कि वो इस उद्देश्य में मदद करें और आगे आकर अपने अंगों का दान करने का संकल्प लें।" इस उद्देश्य के बारे में डॉ. (कर्नल) अवनीश सेठ, वीएसएम, हेड - गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, हेपेटोलॉजी एवं मणिपाल ऑर्गन शेयरिंग एंड ट्रांसप्लांट, एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल्स ने कहा, "हम सभी को इस बात पर गर्व होना चाहिए कि भारत हर साल दुनिया में अंगों का प्रत्यारोपण करने के मामले में तीसरे स्थान पर आता है। इस देश में जीवित डोनर किडनी एवं लिवर प्रत्यारोपण के लिए दुनिया में गहन अनुभव और विस्तृत विशेषज्ञता है। हालाँकि, आज लोगों द्वारा अपनी मृत्यु के बाद अंगों व टिश्यू का दान किए जाने की जरूरत है। भारतीय स्वभाव से परोपकारी होते हैं। इस अभियान की मदद से मणिपाल हॉस्पिटल्स का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस महान कार्य से जुड़ने का प्रोत्साहन देना है।"

जियो का बड़ा धमाका!

20हजार फीट से ज्यादा की ऊंचाई से भी कर पाएंगे कॉल

इंटरनेट चलाना भी होगा आसान

नई दिल्ली। अगर आप फ्लाइट के दौरान मोबाइल डाटा का लाभ लेना चाहते हैं। दरअसल, टेलिकॉम कंपनी रिलायंस जियो ने कुछ इन-फ्लाइट प्लान्स लॉन्च किए हैं जो आपको फ्लाइट के दौरान 20,000 फीट से ज्यादा की ऊंचाई पर भी मोबाइल नेटवर्क का इस्तेमाल करने की अनुमति देती है। पैक एंटाइटेलमेंट कोटा के अनुसार एक्टिव ष्ट्ष्ण (इन-फ्लाइट कम्युनिकेशन) प्लान में ग्राहकों के लिए डेटा, आउटगोइंग वॉयस कॉल और एसएमएस उपलब्ध कराए गए हैं। कंपनी ने जो तीन प्लान इसके तहत लॉन्च किए हैं।

499 रुपये का प्लान: इसकी वैधता 1 दिन की है। इसमें 100 मिनट की आउटगोइंग कॉल्स, 250 एमबी मोबाइल डाटा और 100 एसएमएस दिए जा रहे हैं। इस पैक के साथ इनकमिंग एसएमएस भी फ्री में उपलब्ध हैं। इस प्लान में इनकमिंग कॉल की अनुमति नहीं है। इंटरनेट स्पीड की बात करें तो यह हर एयरलाइन के मुताबिक अलग होती है।

699 रुपये का प्लान: इसमें 100 मिनट आउटगोइंग वॉयस कॉलिंग के लिए दिए जा रहे हैं। साथ ही इसकी वैधता भी 1 दिन की है। इसमें 100 एसएमएस के साथ 500ङ्ग डाटा दिया जा रहा है। इसमें इनकमिंग कॉल की सुविधा नहीं मिलेगी। इस प्लान में भी इंटरनेट स्पीड की बात करें तो यह हर एयरलाइन के मुताबिक अलग होगी।

999 रुपये का प्लान: यह भी एक दिन की वैधता के साथ आता है। इसमें 100 मिनट आउटगोइंग कॉलिंग के लिए दिए जा रहे हैं। वहीं, 1उँ मोबाइल डाटा समेत 100 एसएमएस दिए जा रहे हैं।

टाटा प्ले ने इंदौर में अपना पहला रिटेल स्टोर खोला

ग्राहकों को एक छत के नीचे उत्पादों व सेवाओं का प्रदान करेगा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

टाटा प्ले झिंगालाला की दुकान पर ग्राहकों को एक ही छत के नीचे टाटा प्ले के उत्पादों व सेवाओं का सीधा अनुभव मिलता है, जिनमें टाटा प्ले डीटीएच, टाटा प्ले बिंज्ह एन्ड्रॉयड इनेबल्ड सेट टॉप बॉक्स और टाटा प्ले बिंज फायर टीवी स्टिक शामिल हैं। कृषक एग्रो, ऑफिस नं., 07, द लैंडमार्क, स्कीम नं. 53, एमआर-9 रोड, बर्फानी धाम, इंदौर स्थित यह नई दुकान नए कनेक्शन की जानकारी और मौजूदा उपभोक्ताओं को बिक्री उपरांत सेवाएं प्रदान करेगी।

उपभोक्ताओं व ग्राहकों का जीवन ज्यादा झिंगालाला बनाने के निरंतर प्रयास में भारत के अग्रणी मनोरंजन वितरण मंचों में से एक, टाटा प्ले (पूर्व में टाटा स्काई) ने आज इंदौर, मध्य प्रदेश में अपनी विशिष्ट झिंगालाला दुकान खोलने की घोषणा की। यह भारत में 30वीं झिंगालाला दुकान है। इस नई दुकान में ग्राहकों को एक ही छत के नीचे टाटा प्ले के उत्पादों व सेवाओं की श्रृंखला का बेहतरीन अनुभव मिलेगा।

कृषक एग्रो, ऑफिस नं., 07, द लैंडमार्क, स्कीम नं. 53, एमआर-9 रोड, बर्फानी धाम, इंदौर स्थित यह दुकान ग्राहकों के लिए एक संपर्क बिंदु होगी, जहां वो टाटा प्ले डीटीएच, टाटा प्ले बिंज़ एन्ड्रॉयड आधारित सेट-टॉप और टाटा प्ले बिंज फायर टीवी स्टिक सहित टाटा प्ले सेवाओं की संपूर्ण श्रृंखला प्राप्त कर सकेंगे। ब्रांड ने हाल ही में टाटा प्ले बिंज कॉम्बो पैक्स की घोषणा की, जो एक एकीकृत पैक में सर्वश्रेष्ठ प्रसारण चैनल और ओटीटी ऐप्स प्रदान करके उपभोक्ताओं के लिए मनोरंजन को और ज्यादा आसान बना देता है। इसके अलावा, टाटा प्ले नेटफ्लिक्स कॉम्बो पैक भी प्रस्तुत किए गए हैं, जो प्रसारण चैनलों के साथ नेटफ्लिक्स की सेवा भी प्रदान करते हैं।

फ्रैंचाईज़ी के स्वामित्व एवं संचालन के साथ इस दुकान में ग्राहकों की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित कर्मी होंगे, जो उत्पाद का प्रदर्शन, प्राथमिकता के साथ उसकी स्थापना, शंका निवारण एवं अन्य बिक्री उपरांत सेवाएं प्रदान करेंगे। नए स्टोर के बारे में नील सुआरेज़, चीफ सेल्स ऑफिसर, टाटा प्ले ने कहा, "अब हमारा ब्रांड टाटा प्ले बन चुका है, इसलिए यह नई झिंगालाला दुकान मनोरंजन को और भी ज्यादा झिंगालाला बनाने में मदद करेगी। यह दुकान इंदौर के ग्राहकों के लिए हमारा पहला सीधा संपर्क बिंदु होगा जो उन्हें टाटा प्ले के कनेक्शन के साथ मिलने वाले व्यापक मनोरंजन का अनुभव पाने का मौका देगा इससे बाजार में टाटा प्ले का प्रदर्शन बढ़ेगा और ग्राहक यहां पर उत्पाद को स्पर्श करके महसूस कर सकेंगे, जो उनके द्वारा खरीद करने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण पहलू है।"

यह दुकान मौजूदा एवं भावी ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करेगी, जिससे उन्हें टाटा प्ले के उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला के बारे में विस्तार से जानने को मिलेगा। खरीद की संपूर्ण प्रक्रिया में ग्राहकों का मार्गदर्शन करने के लिए यहाँ कुशल कर्मचारी होंगे। बिक्री उपरांत सेवाओं में शामिल हैं।

सोच का 150वें स्टोर के उद्घाटन के साथ एक महत्वपूर्ण लक्ष्य हासिल करने का जश्न

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

16 वर्षों से सोच आपकी सभी परंपरागत पहनावा जरूरतों के लिए भारत का पसंदीदा स्थान रहा है। अपनी यात्रा का जश्न मनाते हुए, और ग्राहक सहायता जिसने इसे संभव बनाया है , हमने 15 अगस्त, 2022 को अपना 150वां स्टोर लॉन्च किया। स्टोर बेंगलुरु में स्थित है, लेकिन उत्सव देशभर के सोच स्टोर्स में होगा । सोच के वफादार ग्राहकों का समुदाय देश भर के 59 शहरों में पाया जा सकता है और हम सभी को अपने साथ जश्न मनाने के लिए आमंत्रित करना चाहते हैं। 10,000 रुपये के वाउचर प्राप्त करने के लिए किसी भी सोच स्टोर को भेट दीजिए ! देश भर में हमारे आउटलेट में नवीनतम डिजाइनों का बहुत स्टॉक रहेगा , प्रत्येक डिजाइन को आकर्षक सिल्हूट और आकर्षक रंगों के साथ भव्य कपड़ों में सावधानीपूर्वक तैयार किया जाएगा । सोच ग्राहक की शक्ति में विश्वास करता है, सोच के पास सबके लिए कुछ न कुछ है। सोच अपने नए संग्रहों को तैयार करते समय, रुझानों पर अप-टू-डेट रहते हुए, और ग्राहकों के लिए विविध डिज़ाइन तैयार करते समय इसे ध्यान में रखता है।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए, सोच के कार्यकारी निदेशक और सीईओ विनय चटलानी कहते हैं, 'हमारे 150 वें स्टोर के उद्घाटन का अवसर वह है जिसे हम लंबे समय से देख रहे हैं और और यह एक ब्रांड के रूप में हमारे विकास का एक महत्वपूर्ण संकेतक की तरह महसूस करते हैं। हमने देश भर में और फैशन उद्योग में अपनी उपस्थिति स्थापित की है और यह जश्न मनाने लायक उपलब्धि है। यह उचित ही था कि हमने बैंगलोर में शुरुआत की और बैंगलोर में अपना 150 वां स्टोर खोला। हम आशा करते हैं कि ग्राहकों के पास वही समृद्ध अनुभव होगा जो उन्हें पहले मिल रहा था और 150वां स्टोर हमारी यात्रा का पहला महत्वपूर्ण कदम है। जैसा कि हम एक फ्रेंचाइजी के रूप में विस्तार करते हैं, हमारा लक्ष्य अभी और भविष्य में भी पारंपरिक परिधान और ग्राहकों की संतुष्टि में सर्वश्रेष्ठ प्रदान करना है। '

सोच ने पिछले कुछ वर्षों में जो मजबूत रिटेल और ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की है, उसे बनने में 16 साल लगे हैं। देश भर में 150 स्टोर के साथ, सोच भारतीय बाजार में एक ट्रेंडसेटर बन गया है और ग्लैमरस, अच्छी तरह से बनाए गए फैशन के प्रभाव में विश्वास करना जारी रखता है। हमारे किसी भी स्टोर पर रुकें और हमारे क्ष150सोचस्टोर्स समारोह में कुछ ऐसा चुनें जो आपको पसंद आए!

मोरेटोरियम, क्वारंटीन के बाद अब 'टोकनाइजेशन'...

क्रेडिट और डेबिट कार्ड यूजर्स के लिए टोकन सिस्टम अनिवार्य नही

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

मोरेटोरियम, क्वारंटीन, आइसोलेशन... गुजरे दो सालों में लोगों का एक से बढ़कर एक जटिल अंग्रेजी शब्दों से सामना हुआ है। इन शब्दों का इतना इस्तेमाल हुआ कि आम और खास सभी को ये शब्द सरल लगने लगे। यहां हम आपको इनका मतलब बताने नहीं जा रहे हैं। कोरोना काल में इनके मायने आप अच्छी तरह जान चुके हैं। अब एक अन्य शब्द 'टोकनाइजेशन'भी आने वाले दिनों में जिंदगी का हिस्सा बनने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक ने टोकनाइजेशन सिस्टम की नई व्यवस्था बनाई है। यह क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड से जुड़ी है। 1 अक्टूबर से टोकनाइजेशन के नए नियम लागू हो जाएंगे। 'टोकनाइजेशन' क्या है? आरबीआई इसे क्यों लाने जा रहा है? इससे आपके और हमारे जीवन में क्या असर पड़ेगा? आइए, यहां इन सभी सवालों के जवाब जानते हैं।

क्या है टोकनाइजेशन?

यह आरबीआई की एक पहल है। इसके तहत सभी कंपनियों को कार्डहोल्डर्स की सभी मौजूदा जानकारी हटानी होगी। इस जानकारी को 'टोकन' से रिप्लेस करना होगा। पॉलिसी के अमल में आने के बाद मर्चेंट या कंपनियां कार्ड की सूचनाएं सेव नहीं कर पाएंगी। इससे कार्ड के दुरुपयोग की आशंका कम होगी। साथ ही ऑनलाइन ट्रांजैक्शन ज्यादा सिक्योर हो जाएगा। आरबीआई ने टोकनाइजेशन को वास्तविक कार्ड डिटेल को कोड में बदलने की प्रक्रिया बताया है। इन कोड को टोकन कहा गया है। यह हर ट्रांजैक्शन के लिए अलग होगा। इसमें ग्राहक अपने कार्ड को टोकनाइज करने के लिए एक रिक्वेस्ट भेजेंगे। जिसे यह रिक्वेस्ट भेजी जाएगी वह इसे कार्ड नेटवर्क पर संबंधित टोकन के लिए पास करेगा। मोटे शब्दों में समझें तो

आगे चलकर आपको फ्लिपकार्ट जैसी किसी कंपनी की सेवा पाने के लिए उसके प्लेटफॉर्म पर कार्ड डिटेल की जगह यूनीक कोड सेव करना होना।

क्या है टोकनाइजेशन का फायदा?

जिन भी इकाइयों से क्रेडिट और डेबिट कार्ड से लेनदेन होता है, उनमें से कई यूजर की कार्ड डिटेल सेव कर लेती हैं। इनमें ई-कॉमर्स कंपनियां, मर्चेंट स्टोर्स, वेबसाइट और एप शामिल हैं। कुछ मर्चेंट्स तो सेवाओं का इस्तेमाल करने से पहले ही कार्ड डिटेल सेव करने के लिए कहते हैं। यह ग्राहक की जानकारियों के चोरी होने का जोखिम बढ़ा देता है। पेमेंट की आसानी के लिए वेब सर्विस के डेटाबेस पर क्रेडिट और डेबिट कार्ड का डेटा स्टोर रहता है। इनमें कार्ड का नंबर, सीवीवी और कार्ड एक्सपायरी डेट शामिल है। इस डेटा के लीक होने का जोखिम होता है।

कब से लागू होगी व्यवस्था

आरबीआई के कार्ड-ऑन-फाइल टोकनाइजेशन के नियम 1 अक्टूबर, 2022 से लागू होने हैं। टोकन का इस्तेमाल करते हुए ट्रांजैक्शन ने रफ्तार पकड़ी है। यह बात सभी कैटेगरी के लिए कही जा सकती है। पहले इसे 30 जून 2022 से लागू किया जाना था। बाद में इसे तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया। इंडस्ट्री को तैयार करने के लिए इस समयसीमा को बढ़ाया गया है। कई बड़े मर्चेंट्स ने टोकनाइजेशन के नियमों का पालन भी करना शुरू कर दिया है। वे अब तब 19.5 करोड़ टोकन जारी कर चुके हैं।

क्या टोकनाइजेशन की कोई फीस होगी?

नहीं। टोकनाइजेशन पूरी तरह फ्री होगा। हालांकि, यह व्यवस्था सिर्फ घरेलू कार्ड ट्रांजैक्शन पर लागू होगी। इसके बारे में रिजर्व बैंक साफ तौर पर बोल चुका है।

क्या टोकनाइजेशन सभी के लिए जरूरी होगा?

आरबीआई ने कहा है कि क्रेडिट और डेबिट कार्ड यूजर्स के लिए टोकन सिस्टम का इस्तेमाल अनिवार्य नहीं होगा। अगर कार्ड यूजर टोकन सिस्टम को नहीं इस्तेमाल करने का विकल्प चुनते हैं तो उन्हें हर बार मैनुअली क्रेडिट और डेबिट कार्ड की डिटेल एंटर करनी होगी। यानी जब भी ई-कॉमर्स या मर्चेंट वेबसाइट पर वे कोई ट्रांजैक्शन करेंगे उन्हें कार्ड डिटेल डालनी होगी।

कैसे जनरेट करेंगे टोकन?

नए नियमों के लागू होने पर कार्डहोल्डर को प्रत्येक कार्ड के लिए एक बार रजिस्ट्रेशन प्रोसेस से गुजरना होगा। वो जिस भी ऑनलाइन मर्चेंट की वेबसाइट पर कार्ड का उपयोग करना चाहते हैं, उनमें से सभी पर डिटेल दर्ज करना होगा। फिर चेकआउट के दौरान टोकन बनाने की सहमति देनी होगी। एक वेबसाइट पर किसी विशेष कार्ड के लिए टोकन जेनरेट किया जाएगा।

टाटा मोटर्स को बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन से 921 इलेक्ट्रिक बसों का ऑर्डर मिला

कंपनी को 30 दिनों के भीतर 3600 से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसों के ऑर्डर मिले हैं

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत में वाणिज्यिक वाहनों की सबसे बड़ी निर्माता टाटा मोटर्स ने बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (बीएमटीसी) से 921 इलेक्ट्रिक बसों का ऑर्डर मिलने की घोषणा की है। कनवर्जेन्स एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) के बड़े टेंडर के तहत टाटा मोटर्स अनुबंध के अनुसार 12 महीनों तक 12-मीटर इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति, परिचालन और रख-रखाव करेगी। टाटा स्टारबस स्वदेशी आधार पर विकसित वाहन है, जिसका उन्नत डिजाइन और श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ खूबियाँ स्थायित्वपूर्ण एवं आरामदायक यात्रा के लिये हैं।

बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की प्रबंध निदेशक, आईएएस, सुश्री जी. सत्यवती ने इस घोषणा पर अपनी बात रखते हुए कहा, 'हम टाटा मोटर्स के लिये 921 इलेक्ट्रिक बसों के ऑर्डर की पुष्टि करते हुए बहुत खुश हैं। यह ऑर्डर बेंगलुरू में जन-साधारण के प्रदूषण-रहित और स्थायित्वपूर्ण शहरी परिवहन की बढ़ रही आवश्यकता के लिये सबसे महत्वपूर्ण है। बीएमटीसी को आधुनिक इलेक्ट्रिक बसें लाने की खुशी है, जो कि पर्यावरण के लिये अनुकूल सार्वजनिक परिवहन के लिये अधिक से अधिक लोगों को आकर्षित करेंगी।'

कनवर्जेन्स एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) की एमडी एवं सीईओ सुश्री महुआ आचार्य ने कहा, 'हमें बहुत खुशी है कि बीएमटीसी ने सीईएसएल के ग्रैण्ड चैलेंज के तहत इलेक्ट्रिक बसों का आर्डर दिया है। यह इलेक्ट्रिक बस के साथ हमारे सफर में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि है। इस प्रतिबद्धता के लिये हम कर्नाटक सरकार और बीएमटीसी का और उनके सहयोग के लिये टाटा मोटर्स का आभार व्यक्त करते हैं।' इस अवसर पर श्री रोहित श्रीवास्तव, वाइस प्रेसिडेंट, प्रोडक्ट लाइन- बसेस, टाटा मोटर्स ने कहा, 'हमें खुशी है कि भारत में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक बनाने के लिये टाटा मोटर्स की प्रतिबद्धता को बीएमटीसी से इलेक्ट्रिक बसों का प्रतिष्ठित ऑर्डर मिलने से और भी मजबूती मिली है। टाटा मोटर्स स्मार्ट, आधुनिक और ऊर्जा से सक्षम यात्री वाणिज्यिक वाहन विकसित करने में आगे रही है, जो भविष्य की परिवहन सम्बंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। हमें विश्वास है कि पर्यावरण के लिये हितैषी यह इलेक्ट्रिक बसें बेंगलुरु के निवासियों के लिये फायदेमंद होंगी।'

टाटा मोटर्स को पिछले 30 दिनों में दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (डीटीसी) से 1500 इलेक्ट्रिक बसों और वेस्ट बंगाल ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (डब्ल्यूबीटीसी) से 1180 इलेक्ट्रिक बसों के ऑर्डर मिल चुके हैं। टाटा मोटर्स की अत्याधुनिक शोध एवं विकास सुविधाओं ने वैकल्पिक ईंधन प्रौद्योगिकी से ताकत पाने वाले अभिनव यातायात समाधानों को इंजीनियर करने के लिये लगातार काम किया है, जैसे कि बैटरी-इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड, सीएनजी, एलएनजी और हाइड्रोजन फ्यूल सेल टेक्नोलॉजी। टाटा मोटर्स ने अब तक भारत के कई शहरों में 715 से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति की है, जो कुल मिलाकर 40 मिलियन किलोमीटर से ज्यादा चल चुकी हैं।

आसुस का भारत में 6 नए लैपटॉप्स के साथ क्रिएटर सीरीज़ का विस्तार

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

आसुस ने भारतीय बाजार के लिए छह नए क्रिएटर सीरीज़ लैपटॉप्स के लॉन्च के साथ अपने कंज्यूमर नोटबुक लाइनअप के विस्तार की घोषणा की। मुख्य रूप से कॉन्टेंट क्रिएटर्स और रचनात्मकता पसंद कंज्यूमर्स के लिए डिज़ाइन किए गए आसुस की क्रिएटर सीरीज़ लैपटॉप्स की नई रेंज में फ्लैगशिप ज़ेनबुक प्रो 14 ड्यूओ ओएलईडी और प्रो 16एक्स ओएलईडी के साथ-साथ प्रोआर्ट स्टूडियोबुक प्रो 16 ओएलईडी और 16 ओएलईडी तथा वीवोबुक प्रो 15 ओएलईडी और 16एक्स ओएलईडी शामिल हैं। नए ज़ेनबुक लाइनअप की कीमत की शुरुआत 1,44,990 रूपए से होती है, स्टूडियोबुक लाइनअप की 1,99,990 रूपए से और वीवोबुक प्रो लाइनअप की शुरुआत 67,990 रूपए से होती है, जो कि सभी ऑनलाइन और ऑफलाइन उपलब्ध होंगे। क्रिएटर्स और आर्टिस्ट्स की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से डिज़ाइन किए गए, क्रिएटर सीरीज़ की डिवाइसेस अद्वितीय एस्थेटिक्स और सहज यूज़र एक्सपीरियंस प्रदान करने वाले इनोवेटिव डिज़ाइन्स और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजीस से लैस हैं। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, अर्नोल्ड सु, बिजनेस हेड, कंज्यूमर एंड गेमिंग पीसी, सिस्टम बिज़नेस ग्रुप, आसुस इंडिया ने कहा, 'आसुस में, हमें जब भी नई टेक्नोलॉजी की पेशकश करने का अवसर मिलता है, तो हम इसमें अग्रणी रहने का प्रयास करते हैं। इसी प्रकार हमारी क्रिएटर सीरीज़ का लॉन्च, क्रिएटर्स कम्युनिटी के लिए एक बार फिर कुछ खास लाने की दिशा में एक कदम है। हमने अपने वर्कफ्लो से रचनात्मकता बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से लैपटॉप्स डिज़ाइन और निर्मित किए हैं। ये लैपटॉप्स उन रचनाकारों के लिए अविश्वसनीय परफॉर्मेंस, डिज़ाइन और बढ़ते इकोसिस्टम की पेशकश करते हैं, जो हमेशा कुछ नए और बेहतर की तलाश में रहते हैं और अपने समर्पित कार्यक्षेत्र में काम करना पसंद करते हैं।'

रियलमी ने 9आई 5जी स्मार्टफोन और बड्स टी100 पेश किए

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत का सबसे तेजी से विकसित होता हुआ स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी निरंतर विस्तार करते हुए ऐसे उत्पाद पेश कर रहा है, जिनमें टेक्नॉलॉजी एवं डिज़ाईन का अभूतपूर्व संगम हो। इसी के अनुरूप, आज ब्रांड ने अपना लेटेस्ट स्मार्टफोन और हियरेबल पोर्टफोलियो में नया उत्पाद - क्रमशः रियलमी 9आई 5जी और टेकलाईफ बड्स टी100 पेश किए हैं। रियलमी 9आई 5जी में लेज़र लाईट डिज़ाईन है और यह मीडियाटेक डायमेंसिटी 810 5जी चिपसेट द्वारा पॉवर्ड है। रियलमी टेकलाईफ बड्स टी100 रियलमी के सबसे किफायती स्टेम डिज़ाईन टीडब्लूएस हैं। इस लॉन्च के बारे में श्री माधव शेठ, सीईओ, रियलमी इंडिया, वीपी, रियलमी और प्रेसिडेंट, रियलमी इंटरनेशनल बिज़नेस ग्रुप ने कहा, ''रियलमी का उद्देश्य यूज़र्स को ऐसे उत्पाद प्रदान करना है, जो बेहतरीन परफॉर्मेंस दे सकें और उनमें उद्योग की अग्रणी टेक्नॉलॉजी हो। टेक्नॉलॉजी में सबसे नई प्रगति 5जी की हुई है, और रियलमी, भारत में 5जी प्रस्तुत करने वाला पहला ब्रांड होने के नाते इसके लिए बहुत उत्साहित है। इस साल हमने 5जी को भारत में विशाल जनसमूह तक पहुँचाने का लक्ष्य स्थापित किया है और रियलमी 9आई 5जी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यहाँ यह बात भी ध्यान देने वाली है कि रियलमी 9अई 5जी के साथ हम न केवल सर्वश्रेष्ठ टेक्नॉलॉजी पेश कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसा डिज़ाईन भी लेकर आए हैं, जो इससे पहले किसी ने नहीं दिया। हमारी टीमें हमारे एआईओटी पोर्टफोलियो में इनोवेशन लेकर आने के लिए निरंतर काम कर रही हैं, और हमारा रियलमी टेकलाईफ बड्स टी100 इसका एक उत्तम उदाहरण है। 10 मिमी के डायनैमिक बेस ड्राईवर, 28 घंटों के प्लेबैक टाईम एवं सबसे किफायती स्टेम डिज़ाईन के साथ हमें विश्वास है कि हमारे लेटेस्ट टीडब्लूएस ग्राहकों को बहुत पसंद आएंगे।''

खरीदारी का महामुहूर्त गुरु पुष्य 25 अगस्त को: पिछले 1500 सालों का सबसे दुर्लभ गुरु पुष्य, एक साथ 10 शुभ योगों का संयोग

इस साल दीपावली 24 अक्टूबर को है। इससे ठीक 2 महीने पहले 25 अगस्त को दुर्लभ गुरु पुष्य नक्षत्र आ रहा है। दुर्लभ इसलिए क्योंकि इस दिन पूरे 10 शुभ योग बन रहे हैं। ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि दीपावली से दो माह पहले शुभकार्यों की शुरुआत के लिए यह महत्वपूर्ण तिथि वरदान की तरह है। इस अद्भुत शुभ संयोग से 25 अगस्त को मिनी दिवाली भी कहा जा सकता है। 25 अगस्त को दश महायोग का ऐसा दुर्लभ संयोग पिछले 1500 साल में नहीं बना।

सूर्योदय के साथ ही पुष्य नक्षत्र शुरू होगा, जो शाम 4.50 तक रहेगा। 12 घंटे के इस महामुहूर्त में हर तरह का शुभकार्य लाभदायक, स्थाई और शुभ फलदायी रहेगा। इस दिन रियल एस्टेट में निवेश, नए कामों की शुरुआत, वाहन, ज्वैलरी, कपड़े और अन्य चीजों की खरीदारी का अक्षय लाभ मिलेगा। साथ ही घरेलू और ऑफिस में इस्तेमाल की जरूरी चीजें खरीदना भी शुभकारी रहेगा।

पिछली कई सदियों में नहीं बना ऐसा ग्रह योग

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. प्रफुल्ल भट्ट का कहना है कि इस दिन सूर्य सिंह राशि में, चंद्रमा कर्क में, बुध कन्या में, बृहस्पति मीन में और शनि मकर राशि में रहेगा। इस तरह पांच ग्रह अपनी ही राशियों में रहेंगे, जोकि बेहद शुभ रहेगा। इनमें शनि और गुरु के स्वराशि में होने से इस संयोग का शुभ फल और बढ़ जाएगा, क्योंकि पुष्य नक्षत्र के स्वामी शनि और देवता गुरु हैं। ग्रहों की ऐसी स्थिति पिछली कई सदियों में नहीं बनीं।

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि इस दिन सर्वार्थसिद्धि, अमृतसिद्धि और वरियान नाम के तीन बड़े योग रहेंगे। साथ ही शुभकर्तरी, वरिष्ठ, भास्कर, उभयचरी, हर्ष, सरल और विमल नाम के राजयोग भी बनेंगे। इस तरह दस शुभ योग होने से खरीदारी का महासंयोग बन रहा है। सितारों की ऐसी स्थिति आज तक नहीं बनीं। बनारस, उज्जैन, पुरी, हरिद्वार और तिरुपति के ज्योतिषियों का कहना है कि दिवाली से दो महीने पहले भाद्रपद मास की त्रयोदशी पर बन रहे गुरु पुष्य संयोग में खरीदारी, नई शुरुआत और हर तरह का निवेश करना शुभ रहेगा।

इस संयोग में खरीदारी लंबे समय तक फायदा देगी: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विनय पांडेय का कहना है कि दीपावली से पहले जब भी गुरु पुष्य संयोग बन रहा हो, उसमें निवेश और खरीदी की जा सकती है। इस बार भाद्रपद मास में ये योग बन रहा है। इस हिंदी महीने का स्वामी चंद्रमा और देवता ऋषिकेश हैं। पुष्य नक्षत्र चंद्रमा की ही राशि में आता है और गुरुवार भगवान ऋषिकेश यानी विष्णुजी का दिन है। इसलिए इस संयोग में की गई खरीदारी लंबे समय तक फायदा देने वाली रहेगी।

निवेश, लेन-देन के लिए ये महीना शुभ: काशी विद्वत परिषद के महामंत्री प्रो. रामनारायण द्विवेदी के मुताबिक अभी चातुर्मास चल रहा है। इस शुभ महीने में भगवान विष्णु की पूजा और आराधना करने की परंपरा है। वहीं, इन दिनों में खरीदारी करना बेहद शुभ माना गया है। चातुर्मास में सिर्फ मांगलिक काम नहीं किए जाते हैं, लेकिन निवेश, लेन-देन और नई शुरुआत के लिए ये महीना शुभ माना गया है।

14 साल बाद शुभ संयोग

27 अगस्त को भादौ में शनैश्चरी अमावस्या का शुभ योग, इसके बाद 2025 में होगा ऐसा

27 अगस्त को भाद्रपद महीने में शनैश्चरी अमावस्या का शुभ संयोग बनेगा। ऐसा 14 साल बाद हो रहा है। अब दो साल बाद ऐसा योग आएगा। ये संयोग इसलिए भी खास है क्योंकि इस दिन शनि अपनी ही राशि मकर में रहेगा। पुराणों में शनिवार को आने वाली अमावस्या को महत्वपूर्ण बताया गया है। स्कंद, पद्म और विष्णुधार्मोत्तर पुराण के मुताबिक शनैश्चरी अमावस्या पर तीर्थ स्नान या पवित्र नदियों में नहाने से हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। इस पर्व पर किए गए दान से कई यज्ञ करने जितना पुण्य फल मिलता है। साथ ही इस अमावस्या पर किए गए श्राद्ध से पितर पूरे साल के लिए संतुष्ट हो जाते हैं।

14 साल बाद बनेगा ऐसा संयोग

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि जब कोई अमावस्या शनिवार को पड़ती है तो उसे शनिचरी अमावस्या कहा जाता है। 27 अगस्त को भाद्रपद महीने में आने वाली साल की आखिरी शनैश्चरी अमावस्या रहेगी। शनिवार को अमावस्या का शुभ संयोग कम ही बनता है। 14 साल पहले ऐसा संयोग 30 अगस्त 2008 को बना था। जब भादौ में शनैश्चरी अमावस्या थी। अब दो साल बाद यानी 23 अगस्त 2025 को भाद्रपद महीने में शनैश्चरी अमावस्या का संयोग बनेगा।

अमावस्या कब से कब तक

भादौ की शनैश्चरी अमावस्या 26 अगस्त को सुबह तकरीबन 11.20 से शुरू होगी जो शनिवार को दोपहर करीब 1.45 तक रहेगी। भाद्रपद महीने में अमावस्या तिथि पर तीर्थ और पवित्र नदियों के पानी से नहाने का महत्व ग्रंथों में बताया गया है। पद्म, मत्स्य और स्कंद पुराण में अमावस्या तिथि को पर्व कहा गया है। इसलिए इस दिन तीर्थ या पवित्र नदियों के पानी से नहाने से हर तरह के दोष दूर हो जाते हैं।

शनि स्वराशि में इसलिए खास अमावस्या

ग्रंथों में बताया गया है कि शनिवार को पड़ने वाली अमावस्या शुभ फल देती है। इस तिथि पर तीर्थ स्नान और दान का कई गुना पुण्य फल मिलता है। अमावस्या शनि देव की जन्म तिथि भी है। इसलिए इस दिन शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए पीपल के पेड़ की पूजा करने से कुंडली में मौजूद शनि दोष खत्म होते हैं। इस दिन शनि देव की कृपा पाने के लिए व्रत रखना चाहिए और जरूरतमंद लोगों को भोजन करवाना चाहिए। ये शनैश्चरी अमावस्या खास इसलिए है क्योंकि शनि अपनी ही राशि यानी मकर में है।

27 अगस्त को कुश अमावस्या

इस दिन कुशा तोड़कर घर लाते हैं, सबसे पवित्र होती है ये घास

शनिवार, 27 अगस्त को भाद्रपद महीने की अमावस्या है। इसे कुशग्रहणी और कुशोत्पाटिनी अमावस्या भी कहते हैं। इस तिथि पर कुश यानी पवित्र घास इकट्ठा की जाती है। जिसका इस्तेमाल शादी, गृह प्रवेश, श्राद्ध और अन्य मांगलिक कामों में किया जाता है। कुश के बिना हर पूजा अधूरी होती है। क्योंकि ये घास पवित्र करती हैं। भादौ की इस अमावस्या पर पितरों के लिए श्राद्ध कर्म करने का विधान ग्रंथों में बताया गया है। इस दिन किसी पवित्र नदी में नहाना चाहिए। ऐसा न कर पाएं तो घर पर ही पानी में गंगाजल की कुछ बूंदे डालकर नहाएं और पितृ पूजा करें। इसके बाद दान भी करना चाहिए।

इसके बिना अधूरी है हर पूजा

किस तरह की घास सबसे अच्छी

जिस घास में पत्ती हो, आगे का भाग कटा हुआ न हो और हरा हो, वो देवताओं और पितरों की पूजा के लिए सबसे अच्छी मानी गई है। ग्रंथों के मुताबिक इस अमावस्या पर सूर्योदय के वक्त घास लानी चाहिए। इस वक्त न ला पाएं तो दिन में अभिजित या विजय मुहूर्त में लाएं। सूर्यास्त के बाद घास नहीं तोड़नी चाहिए। कचरे और गंदगी के पास उगी हुई कुशा नहीं लानी चाहिए।

इस घास का आसन और अंगुठी सबसे पवित्र

ग्रंथों में बताया है कि कुशा घास से बना हुआ आसन सबसे ज्यादा अच्छा माना गया है। इस आसन पर बैठकर की गई पूजा से मिलने वाला पुण्य और बढ़ जाता है। हर तरह का अनुष्ठान और पूजा-पाठ कुश के आसन पर बैठकर की जा सकती है। ये आसन शरीर की ऊर्जा को जमीन में जाने से रोकता है। वहीं, मांगलिक कामों और पूजा-पाठ में इस घास को मोड़कर अंगुठी की तरह सीधे हाथ की रिंग फिंगर में पहना जाता है। ऐसा करने से पूजा में पवित्रता बनी रहती है।

क्यों पवित्र है ये घास

वेदों और पुराणों के मुताबिक कुश घास पवित्र होती है। इसे कुशा, दर्भ या डाभ भी कहते हैं। मत्स्य पुराण का कहना है कि भगवान विष्णु के वराह अवतार के शरीर से कुशा बनी है। अनुष्ठान और पूजा-पाठ में कुशा का इस्तेमाल खासतौर से किया जाता है। पितृ पक्ष में श्राद्ध के दौरान कुशा का उपयोग जरूरी है। इसके बिना तर्पण अधूरा माना गया है। इस घास की अंगूठी बनाकर तीसरी उंगली में पहनी जाती है। जिसे पवित्री कहते हैं। ग्रंथों में बताया है कि इसके इस्तेमाल से मन और शरीर, दोनों पवित्र हो जाते हैं। पूजा-पाठ के लिए जगह पवित्र करने के लिए कुश से जल छिड़का जाता है। कुशा का उपयोग ग्रहण के समय भी किया जाता है। ग्रहण से पहले खाने-पीने की चीजों में कुशा डाली जाती है। ग्रहण काल के दौरान खाना खराब न हो और पवित्र बना रहे, इसलिए ऐसा किया जाता है। इस बारे में तमिलनाडु की SASTRA एकेडमी की रिसर्च में पता चला है कि कुश घास एक नेचुरल प्रिजर्वेटिव के रूप में काम करती है। इसका उपयोग दवाईयों में भी किया जाता है। कुश में प्यूरिफिकेशन एजेंट है।

मिथुन राशि वालों के लिए वरदान समान है ये रत्न, पलट सकती है किस्मत

ज्योतिष शास्त्र की तरह रत्न शास्त्र में भी ग्रहों की स्थिति के आधार पर जातक को राशिनुसार रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। किसी भी रत्न को विधिपूर्वक धारण करने से जीवन में तरक्की, खुशहाली व धन लाभ के योग बनते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं मिथुन राशि वालों के लिए कौन-सा रत्न माना जाता है बेहद लकी-

मिथुन राशि वालों के लिए रत्न वरदान समान

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मिथुन राशि के स्वामी ग्रह बुधदेव हैं। ऐसे में बुध ग्रह से संबंधित रत्न पन्ना धारण करना बेहद शुभ माना जाता है। हालांकि मिथुन राशि वालों को किसी ज्योतिष या पंडित की सलाह के अनुसार ही हरे रंग का पन्ना धारण करना चाहिए। मान्यता है कि हरे रंग का पन्ना धारण करने से बुध की महादशा व अंतर्दशा से मुक्ति मिल सकती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पन्ना धारण करने से कारोबार में आने वाली मुश्किलें दूर होती हैं। आय के नए साधन बनते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। कर्ज से मुक्ति मिलती है। मिथुन राशि वालों के अलावा मीन राशि वालों के लिए पन्ना धारण करना बेहद शुभ माना गया है।

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

पन्ना धारण करने की विधि

बुध रत्न से संबंधित होने के कारण इस रत्न को बुधवार के दिन धारण करना शुभ माना गया है। इसके अलावा पन्ना रत्न को अश्लेषा व ज्येष्ठा नक्षत्र में धारण करने से कई गुना लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं। पन्ना को सोने, चांदी या प्लेटिनम की अंगूठी में जड़वा कर पहना जा सकता है। बुधवार के दिन पन्ना धारण करने से पहले इसे गाय के कच्चे दूध से धोएं। इसके बाद ऊं बुं बुधाय नमः मंत्र का जाप पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके करें। अब इस रत्न की अंगूठी को अपने दाएं हाथ की कनिष्ठा अंगुली में धारण करें।

सोनी इंडिया ने ब्राविया एक्सआर 85X95K 4K मिनी एलईडी की घोषणा की

नए दौर की एक्सआर बैकलाइट मास्टर ड्राइव तकनीक से लैस

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

सोनी इंडिया ने अपनी ब्राविया एक्सआर 85ॅ95ख मिनी एलईडी सीरीज़ के तहत एकदम नया 216 म्स (85) टेलीविजन पेश किया है। कॉग्निटिव प्रोसेसर एक्सआर से लैस इस टीवी में एक्सआर बैकलाइट मास्टर ड्राइव है, जो सबसे नई पीढ़ी के मिनी एलईडी बैकलाइट को सटीक तरीके से कंट्रोल करके बेजोड़ ब्राइटनेस देती है। इस नए लॉन्च किए गए ऊ्र में आकर्षक चमचमाती लाइटों और डीप ब्लैक्स के साथ एक अभूतपूर्व डायनेमिक रेंज है, जो कलाकार की वास्तविक सोच को एकदम हूबहू जीवंत बनाता है।

नई पीढ़ी का कॉग्निटिव प्रोसेसर एक्सआर मनुष्य के मस्तिष्क की तरह काम करता है जो कि दर्शकों को उनके पसंदीदा कंटेंट में पूरी तरह से डुबा देने वाला एक क्रांतिकारी अनुभव है। सोनी ब्राविया एक्सआररू टीवी में अनूठा कॉग्निटिव प्रोसेसर एक्सआररू कंटेंट को उसी तरह पेश करता है, जिस तरह लोग देखते और सुनते हैं, और इस तरह से यह बेजोड़ जीवंत अनुभव प्रदान करता है। यह इसे समझता है कि मनुष्य की आंखें किस तरह फोकस करती हैं, और फिर चित्रों का उसी के अनुसार विश्लेषण करके असली जीवंत गहराई, असाधारण कांट्रास्ट और खूबसूरत निखरे हुए रंग प्रदान करता है।

एक्सआर बैकलाइट मास्टर ड्राइव से लैस ब्राविया एक्सआर मिनी एलईडी में भरपूर कांट्रास्ट और ब्राइटनेस के साथ बेजोड़ गहराई का अनुभव करें, जो लाइट को अधिकतम ब्राइटनेस के लिए फोकस करते हुए, हाईलाइट्स के आसपास रोशनियों की चमक या छल्लों को लगभग गायब कर देता है। ऐसे में दृश्य चमचमाती लाइटों, डीप ब्लैक्स और प्राकृतिक मिड टोन्स से भरपूर नज़र आते हैं।

एक्सआर ट्रिलुमिनोस प्रो और एक्सआर कंट्रास्ट बूस्टर मिलकर करोड़ों सटीक रंगों और असाधारण ब्लैक कांट्रास्ट के साथ हर बारीकी में प्राकृतिक शेड प्रदान करते हैं। एक्सआर कंट्रास्ट बूस्टर , चमक में ब्राइटनेस को अधिक बढ़ाते हुए, और छाया में अधिक गहराई वाले ब्लैक्स के लिए एडजस्ट करता है।

सबसे नए एक्सआर 4ख अपस्केलिंग और एक्सआर ओलेड मोशन क्लैरिटी के साथ 4ख एक्शन का आनंद लें, जो बिना किसी धुंधलेपन के एकदम सहज, चमकदार और स्पष्ट नज़र आते हैं, X95K सीरीज़ में एक्सआर 4K अपस्केलिंग तकनीक है जिससे आप ब्राविया एक्सआर 85X95K में किसी भी प्रकार के कंटेंट या सोर्स के साथ लगभग 4K क्वॉलिटी के मनोरंजन का आनंद ले सकते हैं। एक्स 95K के साथ वर्ग में सर्वोत्तम गेमिंग का अनुभव प्राप्त करें, एचडीएमआई 2.1 अनुकूलता के साथ समर्पित गेम मोड का अनुभव लें, जिसमें 4K 120fps, वैरिएबल रिफ्रेश रेट (VRR), ऑटो लो लैटेंसी मोड (ALLM), ऑटो एचडीआर टोन और ऑटो गेम मोड शामिल हैं।

पुरस्कार विजेता ब्राविया कोर ऐप की पेशकश, जो पहले से लोडेड है और खासतौर से ब्राविया एक्सआर टीवी मूवी सर्विस में उपलब्ध है जिसके साथ आप आईमैक्स एन्हैंस्ड फिल्मों के सबसे बड़े कलेक्शन का आनंद ले सकते हैं। एक्स -एंटी रिफ्लेक्शन, धूप के कारण या लैम्प की रोशनी के कारण पड़ने वाली चमक को कम करता है जिससे आप ब्राइटनेस में प्योर ब्लैक देख सकते हैं और बिना ध्यान भंग हुए एकदम स्पष्ट चित्रों का आनंद ले सकते हैं और एक्स -वाइड एंगलरू तकनीक किसी भी कोण से एकदम वास्तविक दुनिया जैसे विविधतापूर्ण रंग प्रदान करती है। अपने एक्स95ख को ब्राविया केम से कनेक्ट करें और ब्राविया केम के साथ टीवी के नए मज़ेदार अनुभवों की पूरी श्रृंखला की खोजबीन करें, जिसमें गेश्चर कंट्रोल, प्रॉक्सिमिटी अलर्ट, पिक्चर और साउंड एम्बिएंट ऑप्टिमाइजेशन, वीडियो कॉलें तथा और भी बहुत कुछ शामिल है। बेजोड़ पिक्चर क्वॉलिटी के लिए एक्स95ख में 4ख की चमकदार स्पष्टता का हाई डायनेमिक रेंज (एचडीआर) की ब्राइटनेस, रंगों, और बारीकियों से तालमेल किया गया है जिससे डॉल्बी विज़न , डॉल्बी एटमॉस, आईमैक्स एनहांस्ड और नेटफ्लिक्स अडाप्टिव कैलिब्रेटेड मोड के साथ आपको असाधारण दृश्य और मनमोहक ऑडियो अनुभव के साथ घर में सिनेमा की अपनी दुनिया साकार करने में मदद मिलती है।

मदर्स रेसिपी ने लांच किए कुरकुरे आलू और साबूदाना पापड़

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारतीयों के लिए श्रावण का महीना बेहद महत्वपूर्ण है और इसके आगमन का संबंध मानसून से है। पारंपरिक हिंदू कैलेंडर के अनुसार श्रावण को साल का सबसे पावन महीना माना जाता है, जो जुलाई में शुरू होकर अगस्त के अंत तक जारी रहता है। भगवान शिव की कृपा पाने के लिए इस अवधि को बेहद पवित्र माना जाता है, और इसी महीने से पूजा-पाठ, उपवास और त्योहारों के मौसम की शुरुआत होती है। लोग श्रावण के महीने में उपवास रखते हैं और इस दौरान अपने खान-पान का बेहद खास ख्याल रखते हैं। ज्यादातर भारतीय महिलाएँ सोमवार का उपवास रखती हैं और घर पर सामान्य भोजन तैयार करने के साथ-साथ उपवास के लिए अलग-अलग तरह के व्यंजन भी बनाती हैं। इस दौरान, वे खान-पान में उपवास का भोजन पसंद करती हैं और सिर्फ एक बार भोजन करने के नियम का पालन करती हैं। उपवास के इस महीने की परंपरा को निभाते हुए, मदर्स रेसिपी ने बेहद स्वादिष्ट आलू और साबूदाना पापड़ बाजार में उतारे हैं। उपवास में खाने के लिए और तलने के लिए तैयार मदर्स रेसिपी के पापड़ वाकई बेहद स्वादिष्ट नाश्ता हैं। साबूदाना पापड़ को खास तौर पर उपवास के लिए बनाया जाता है, जिसमें साधारण नमक के बजाय सेंधा नमक (रॉक सॉल्ट) का इस्तेमाल किया जाता है। सेंधा नमक को सबसे शुद्ध नमक माना जाता है, और इसी वजह से उपवास के दौरान इसका सबसे ज्यादा उपयोग होता है। साबूदाना, उपवास रखने वाले ज्यादातर लोगों की पसंदीदा चीजों में से एक है। उपवास के दौरान आपको पोषक तत्वों का भी खास ध्यान रखना पड़ता है, और ऐसे समय में कार्ब्स से भरपूर साबूदाना हमारे शरीर को नई ऊर्जा देने में मदद करता है। मदर्स रेसिपी के पापड़ कई मायनों में अनोखे हैं – परंपरागत स्वाद वाले इस पापड़ को सबसे अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्रियों तथा स्वच्छ एवं अत्याधुनिक प्रक्रिया से तैयार किया जाता है, जो उपवास के दौरान आपके भोजन और नाश्ते को कई गुना बेहतर बना देता है। कंपनी की अनुसंधान एवं विकास (ॅअ) टीम ने बेहतरीन और कुरकुरे स्वाद तक पहुंचने के लिए कई परीक्षणो से पापड गुजरा है। इसे बनाने का तरीका बेहद आसान है क्योंकि इस पापड को आप अपनी पसंद के तेल में तल सकते हैं। पापड़ बच्चों के लिए भी नाश्ते का एक बढ़िया विकल्प है क्योंकि उन्हें भी इसे खाने में काफी आनंद आता है।

हमारे सभी उत्सवों में खान-पान की भूमिका बेहद अहम होती है, इसलिए मदर्स रेसिपी हर मौसम और त्योहार के लिए अलग-अलग तरह के भारतीय व्यंजनों को पेश करती है। मदर्स रेसिपी के मौजूदा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में अचार, कुकिंग पेस्ट, इंस्टेंट मिक्स, भारतीय चटनी, पापड़, रेडी-टू-कुक, रेडी-टू-इट और हाल ही में बाजार में उतारे गए ग्लोबल एक्सोटिक सॉस शामिल हैं। इन सभी उत्पादों को बाजार की मौजूदा मांगों को ध्यान में रखते हुए बड़ी सावधानी से तैयार किया जाता है।

मारुति सुजुकी ऑल-न्यू अल्टो के10 लांच

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने ऑल-न्यू अल्टो के10 के लॉन्च की घोषणा की। गर्व, भरोसे और विश्वसनीयता की प्रतीक ऑल-न्यू अल्टो के10 अब एक नए डिज़ाईन, ज्यादा विशाल इंटीरियर, बेहतर परफॉर्मेंस और अनेक कम्फर्ट जैसे सुरक्षा, सुविधा और कनेक्टिविटी फीचर्स के साथ उपलब्ध है।

22 सालों तक लाखों ग्राहकों को सफर का अतुलनीय अनुभव देने के बाद टैगलाईन क्ष्र्हर्ग्खर्ण्ट्ईं के साथ ऑल-न्यू अल्टो के10 एक बार फिर से अपने स्टाईल में उतरने के लिए तैयार है। आज ग्राहक ज्यादा आत्मविश्वास, ज्यादा संतुष्टि, और आराम चाहते हैं। ऑल-न्यू अल्टो के10 ग्राहकों को बेहतर जीवन व सामर्थ्य प्रदान करती है। ज्यादा शक्तिशाली एवं प्रभावशाली नैक्स्ट जनरेशन के-सीरीज़ 1.0 लीटर ड्युअल जेट, ड्युअल वीवीटी इंजन, विशाल केबिन, आधुनिक विशेषताओं, समकालीन डिज़ाईन और भरोसेमंद मैन्योवरेबिलिटी के साथ, ऑल-न्यू अल्टो के10 दैनिक जीवन में पड़ने वाली विभिन्न जरूरतों को बहुत आसानी से पूरा करती है।

ऑल-न्यू अल्टो के10 प्रस्तुत करते हुए श्री हिसाशी ताकेउची, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने कहा, ''पिछले कई सालों में अल्टो हर नए अपग्रेड के साथ और ज्यादा आकर्षक होती चली गई और यह एक ऐसे आईकोनिक ब्रांड का प्रमाण बन गई, जिसने युवा भारत की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप खुद का विकास किया है। 4.32 मिलियन से ज्यादा भारतीय ग्राहकों का दिल जीतते हुए अल्टो अपने 22 सालों के प्रतिष्ठित सफर में लगातार 16 सालों तक देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनी हुई है। ऑल-न्यू अल्टो के10 अपने नए डिज़ाईन, आधुनिक टेक एवं सुरक्षा विशेषताओं, विशाल इंटीरियर और नैक्स्ट जनरेशन के के-सीरीज़ 1.0 लीटर इंजन के साथ अपनी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। मोबिलिटी समाधानों को जनसमूहों तक पहुँचाना हमेशा से मारुति सुजुकी का मुख्य उद्देश्य है और ऑल-न्यू अल्टो के10 के लॉन्च के साथ हम मोबिलिटी की खुशी और ज्यादा घरों तक पहुँचाना तथा अपने ग्राहकों के साथ अपने लगातार विकसित होते संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं। ऑल-न्यू अल्टो के10 आपको पहले से ज्यादा प्रस्ताव प्रदान करती है, ताकि आप किसी से पीछे न रहें। इस देश के नागरिक, जो अब सबकुछ चाहते हैं, उनके लिए एक ऐसी कार पेश है, जिसमें सबकुछ है। हमें विश्वास है कि ऑल-न्यू अल्टो के10 ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरी रहेगी और आने वाले कई सालों तक भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनी रहेगी।''

टोयोटा की नयी एसयूवी अर्बन क्रूज़र हायराइडर का सांघी टोयोटा पर भव्य लांच

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सांघी टोयोटा शोरूम, इंदौर पर एक भव्य लांचिंग समारोह में अनेक सम्माननीय ग्राहकों की उपस्थिति में गणमान्य अतिथियों द्वारा 'टोयोटा अर्बन क्रूजर हायराइडर' कार को लॉन्च किया गया। बैटरी और फ्यूल से चलने वाली टोयोटा अर्बन क्रूजर हायराइडर की शहर के डीलर सांघी टोयोटा पर बुकिंग की भी शुरुआत हुई। नई सेल्फ चार्जिंग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल अर्बन क्रूजर हायराइडर में सेल्फ चार्जिंग हाइब्रिड टेक्नोलॉजी, पैनारोमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीट्स, 9 इंच ऑडियो सिस्टम, 360 कैमरा, 50 कनेक्टेड फीचर्स हैं। एसयूवी डुअल-टोन फिनिश, डैश पर सॉफ्ट-टच लेदर है, जनरल मैनेजर अमित बखरू ने बताया कि हायराइडर में फ्री- स्टैंडिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट और पैनोरमिक सनरूफ है जो इसे हर तरह से एक शानदार एसयूवी बनता है और रोड पर एक अच्छा ड्राइविंग एक्सपीरियंस कस्टमर्स को मिलेगा।

कार्यक्रम में सांघी के सीईओ श्री अनिल जगतियानी ने सभी मौजूद कस्टमर्स का आभार व्यक्त किया और साथ ही बताया की कर में वायरलेस एपल कारप्ले और एंड्रॉयड ऑटो के साथ टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है। एलईडी डीआरएल्स के साथ स्प्लिट हेडलैम्प दिए गए हैं। नीचे की तरफ प्रोजेक्टर हेडलाइट सेटअप है। कॉन्ट्रैस्ट रंग का स्किड प्लेट और नए 17 इंच के ड्यूअल-टोन अलॉय व्हील्स हैं और सेफ्टी के लिए हायराइडर में छह एयरबैग, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर, चाइल्ड सीट माउंटिंग पॉइंट जैसे फीचर्स हैं। समारोह में सांघी टोयोटा

की टीम के साथ मुख्य अतिथि के रूप में टोयोटा के हेमंत गुलाटी, हरजीतसिंह, पारस मल्होत्रा आदि भी मौजूद थे।

सेंट-गोबेन इंडिया ने इंदौर में अपना एक्सक्लूसिव 'माय होम' स्टोर लॉन्च किया

सेंट-गोबेन इंडिया का इंदौर में पहला एक्सक्लूसिव स्टोर लॉन्च

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सेंट-गोबेन लाइट और निर्माण के स्थायी समाधान बनाने में दुनिया की प्रमुख कंपनी है जिसका फोकस अपने उद्देश्य 'दुनिया को रहने के लिए बेहतर घर' बनाने पर केंद्रित है। भारत में 1.35 अरब लोग रहते हैं और यहां शहरीकरण की मौजूदा दर 32 फीसदी है। आने वाले सालों में हमें लाखों घरों की जरूरत होगी। महामारी ने घरों को हमारे अस्तित्व का केंद्र बना दिया है, क्योंकि हम घरों से काम कर रहे हैं और पढ़ाई कर रहे हैं। घरों के लिए तरह-तरह के समाधानों की तेजी से बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, सेंट-गोबेन ने कई नए-नए सॉल्यूशंस विकसित किए हैं। इसमें शावर क्यूबिकल्स, खिड़कियां, किचन के शटर्स, वार्डरोब शटर्स, एलईडी शीशे, ग्लास राइटिंग बोर्ड, जिप्रोक सीलिंग्स, ड्राईवॉल, टाइलिंग और ग्राउटिंग सॉल्यूशंस, जिप्सम प्लास्टर, सर्टेन टीड रूफिंग शिंगल्स और नोवेलियो वॉल कवरिंग समेत अन्य कई सॉल्यूशंस शामिल हैं। सेंट-गोबेन इन सभी सॉल्यूशंस को माय होम के तहत लेकर आया है, जो कि एक संपूर्ण फिजिटल बिजनेस मॉडल है। माय होम अपने उपभोक्ताओं को डिजाइनिंग से लेकर इंस्टॉलेशन तक के समाधानों की पेशकश करता है।

बेहतर आर्थिक वृद्धि, बुनियादी ढांचे के विकास, बेहतर कनेक्टिविटी, रहन-सहन पर कम खर्च और रियल एस्टेट के आकर्षक दामों ने टियर 2 और टियर 3 शहरों को घरों के खरीदारों और निवेशकों के लिये रियल एस्टेट का सुगम ठिकाना बना दिया है। यह शहर तेजी से रियल एस्टेट बाजारों के रूप में उभर रहे हैं, क्योंकि यहाँ का हाउसिंग सेगमेंट मजबूत है, जो बुनियादी ढांचे की समग्र वृद्धि का पूरक है। इंदौर ऐसा ही एक शहर है, जो रियल एस्टेट के हॉटस्पॉट के रूप में उभर रहा है। दूसरे लॉकडाउन के बाद से इस शहर ने आवासीय संपत्तियों की मांग में बेहद तेज बढ़ोतरी देखी है। सेंट-गोबेन इंडिया ने इंदौर शहर में अपना मायहोम स्टोर खोला है, जो कि मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा आबादी वाला शहर है, ताकि इस क्षेत्र में होम सॉल्यूशंस की बढ़ रही मांग पूरी हो सके।

सेंट-गोबेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक श्री हेमंत खुराना ने कहा, 'आज इंदौर में एक्सक्लूसिव माय होम शोरूम के लॉन्च की घोषणा करते हुए मुझे खुशी हो रही है। इंदौर एक तेजी से विकसित हो रहा बाजार है, जिसमें विकास की अपार संभावनाएं हैं और हम इस बाजार को अपने सॉल्यूशंस देने के इंतजार में हैं। इंदौर में हम जिस स्टोर की लॉन्चिंग कर रहे हैं, वह इस विकसित होते बाजार में निवेश करने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत बना रहा है। यह स्टोर घरों के मालिकों के एक ही छत के नीचे सभी तरह के समाधान प्राप्त करने का अनुभव करने का अनोखा अवसर प्रदान कर रहा है। घरों के मालिक उपभोक्ताओं को संपूर्ण समाधान प्रदान करने की हमारी क्षमताओं से लाभ हासिल करेंगे। हम अपने माय होम स्टोर और अपनी लोकप्रिय मायहोम वेबसाइट के संयोजन के जरिए उपभोक्ताओं को फिजिटल (फिजिकलऽ डिजिटल) अनुभव प्रदान करना चाहते हैं।' सेंट-गोबेन इंडिया के बिजनेस हेड श्री श्रीहरि के. ने कहा, 'हम इंदौर शहर में अपने एक्सक्लूसिव माय होम स्टोर को लॉन्च कर काफी खुश हैं। यह उद्घाटन भारत में हमारी विस्तार योजना और भारत के लिये हमारे द्वारा लक्षित रिटेल उपस्थिति के मामले में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इंदौर में उपभोक्ता इस फिजिकल मायहोम शोरूम से हमारे सॉल्यूशंस का अनुभव कर सकते हैं। हम ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचने के लिये देश के विभिन्न क्षेत्रों में शोरूम्स लॉन्च कर रहे हैं। हमारा पूरा ध्यान अपने उपभोक्ताओं को अच्छे रहन-रहन की स्टाइल देने और इस प्रक्रिया को साधारण और आसान बनाने पर है। हमें उपभोक्ताओं और इंडस्ट्री से अविश्वसनीय प्रतिसाद मिला है। हमारे नए विंडोज रेज के सॉल्यूशंस उपभोक्ताओं के घरों की सजावट में चार-चांद लगाने के अनुकूल हैं और तापमान तथा ध्वनि सम्बंधी आराम देते हैं। माप लेने से लेकर इनके निर्माण और इन्हें घरों में लगाने तक यह सॉल्यूशन उपभोक्ताओं को पूरी तरह से डिजिटल अनुभव प्रदान करते हैं।'

राजस्थान के अर्थ ग्रुप के डा अरविंदर सिंह का नाम वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड में शुमार

शिक्षा के क्षेत्र में सबसे अधिक डिग्री व डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी की प्रैक्टिस व शिक्षा देने की जताई चाह

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

उदयपुर राजस्थान के अर्थ ग्रुप के डा अरविंदर सिंह का नाम वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड में शामिल ह गया है । डॉ अरिंदर सिंह को आज इंदौर में आयोजित विशेष समारोह में सम्मानित किया गया जिसके बाद देश विदेश से उन्हें बधाई देने का सिलसिला जारी है। डा अरविन्दर सिंह प्रथम ऐसे पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल डॉक्टर है, जिनको मेडिकल साइंस के अलावा विभिन्न क्षेत्रो में भी महारत हासिल है जैसे कि मैनेजमेंट, क़ानून, विशेषज्ञ , कोस्मेटोलॉजी, कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी, डिजिटल मार्केटिंग इत्यादि। उनके पास कुल 123 डिग्री, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट है , जिसमे से 77 ऐकडेमिक व 46 नॉन-एकेडेमिक प्रमुख है। डा सिंह ने 2009 में आईआईएम टॉप करने वाले भारत के प्रथम डॉक्टर होने का गौरव प्राप्त किया था। आईआईएम करते हुए ही उनको 2008 में उस वर्ष का सबसे बड़ा 90 लाख का पैकेज स्कॉटलैंड से मिला था पर डा सिंह ने उस पैकेज को ठुकरा कर भारत देश में रहकर कार्य करने का फैसला लिया। डा सिंह ने शिक्षा क्षेत्र के अलावा निशानेबाज़ी में गोल्ड मैडल, स्कूबा डाइविंग का रिकॉर्ड, बिज़नेस लीडर अवार्ड जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धिया हासिल की है।

डॉ सिंह अभी कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी व पैथोलॉजी के क्षेत्र में अर्थ ग्रुप के डायरेक्टर व सीईओ हैं। डॉ सिंह ने ऑक्सफ़ोर्ड , यू के , अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ़ एस्थेटिक मेडिसिन, कैनेडियन बोर्ड ऑफ़ एस्थेटिक मेडिसिन, इंटरनेशनल अकादमी ऑफ़ स्वीडन तथा जर्मनी से कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी , एस्थेटिक मेडिसिन, सौंदर्य शास्त्र व क्लिनिकल कॉस्मेटोलॉजी , मेडिकल लेज़र आदि विषयो में विभिन्न डिप्लोमा व सर्टिफकेट हासिल कर राजस्थान के प्रथम इंटरनेशनल बोर्ड सर्टिफाइड कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजिस्ट व एस्थेटिक फिजिशियन होने का भी गौरव प्राप्त किया। डा सिंह को कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु राजस्थान के मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ने भी हाल ही में सम्मानित किया।

डॉ सिंह का मानना है कि मेडिकल के क्षेत्र में क़्वालिटी अत्यंत महत्वपूर्ण है अतः डा सिंह के नेतृत्व में अर्थ स्किन सेंटर भारत का प्रथम ँ क़्वालिटी प्रमाणित सेंटर बना तथा साथ ही में अर्थ डायग्नोस्टिक भी साउथ राजस्थान का पहला डायग्नोस्टिक सेंटर है जिसको ँ व ँ दोनों क़्वालिटी प्रमाणपत्र प्राप्त है। डॉ सिंह ने अभी हाल ही में इंस्टिट्यूट ऑफ़ एस्थेटिक मेडिसिन, कॉस्मेटोलॉजी व लेज़र की स्थापना भी की है जिसको लंदन से मान्यता व यूसए से रजिस्ट्रेशन प्राप्त है। डॉ सिंह ने आशा जताई की इस सेंटर से ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी रोज़गारपरक कोर्स करेंगे और मेडिकल क्षेत्र में भी यह इंस्टिट्यूट ट्रेनिंग व सर्टिफकेशन उपलब्ध करवाएगा। इसके अंतर्गत मेडिकल कॉस्मेटोलॉजी, एस्थेटिक्स व मेडिकल लेज़र के डिप्लोमा, फ़ेलोशिप्स की ट्रेनिंग होगी।

लाईफस्टाईल स्टोर्स ने ऑटम/विंटर कलेक्शन लॉन्च किया

यह लेटेस्ट कलेक्शन लाईफस्टाईल स्टोर्स और ऑनलाइन पर उपलब्ध

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

लेटेस्ट ट्रेंड्स के लिए भारत के अग्रणी फैशन डेस्टिनेशन, लाईफस्टाईल ने अपना ऑटम/विंटर कलेक्शन लॉन्च किया है। इस कलेक्शन में बेहतरीन फैशन और किफायती मूल्यों का शानदार संगम है। यह नई श्रृंखला सभी फैशनप्रेमियों को आकर्षित करेगी, जो इस सीज़न अपने स्टाईल एवं फैशन के विकल्पों को बेहतर बनाना चाहते हैं। इस संग्रह में आधुनिक और समकालीन फैशन के विकल्प आपको नया स्टाईल अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

अपना नया संग्रह लॉन्च करके लाईफस्टाईल आपको अपने फैशन में उन आवश्यक वस्तुओं को शामिल करने में समर्थ बना रहा है, जो कलर्स, प्रिंट और सिल्हूटस का विविधतापूर्ण मिश्रण प्रस्तुत करके इस मौसम के अनुकूल मिजाज उत्पन्न करता है। तो अब चाहे कोई भी अवसर क्यों न हो, आप ऑफिस जाकर काम करें या घर बैठकर, दोस्तों के साथ ब्रंच पार्टी करें, या कहीं और जाएं, लाईफस्टाईल के संग्रह के साथ आप अपने लिए ऐसा फैशन स्टेटमेंट जरूर बनाएं, जिसे लोग मुड़-मुड़ कर देखें। इस संग्रह में पैस्टल और पैन्टरली फ्लोरल्स में ट्रेंडी और समकालीन एथनिक वियर की एक नई श्रृंखला है, जो भारतीय डिज़ाईनर जगत से प्रेरित है और इस मौसम में त्योहारों में चार चांद लगा देगी। इस नई श्रृंखला में पुरुषों और महिलाओं की पोषाक के लिए अद्वितीय और समकालीन ट्रेंड्स हैं। महिला शॉपर्स के लिए दिलचस्प सिल्हूटस के साथ पॉप ड्रेसेस हैं, और वो ऑम्बर सिक्विन्स, मैटलिक ट्रिम्स और कॉर्सेट्स के साथ चिक पार्टीवियर भी खरीद सकेंगी। यहां वो हर चीज मिलेगी जो 'वाई2के' का माहौल बनाने के लिए जरूरी है। इस सीज़न आप रेट्रो की ओर बढ़कर जैकर्ड को-ऑर्ड्स, ज्योमेट्रिक प्रिंट्स के साथ फ्लेयर्ड बॉटम्स एवं फ्लोरल क्रॉप टॉप्स के साथ 70 के दशक का फैशन फिर से सजीव कर सकती हैं। डेज़ी और चेकरबोर्ड प्रिंट के साथ डेनिम और ज्यादा कूल हो गया है। हाई फैशन फ्लोरल रेट्रो टॉप और बूटकट के साथ आप ऊट (आउट ऑफ द डे) परिधान के लिए तैयार हैं। इसके अलावा वेलर एवं टाई-डाई लाउंज़ सेट आपको एयरपोर्ट के लिए परफेक्ट लुक प्रदान करेगा।

भारत में एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर पर खर्च 2023 में 4.7 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान

नयी दिल्ली। भारत में एंटरप्राइज एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर पर खर्च 2023 में 14.9 प्रतिशत बढ़कर 4.7 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है। अनुसंधान कंपनी गार्टनर की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्राहक अनुभव और संबंध प्रबंधन पर ज्यादातर खर्च होने की उम्मीद है। गार्टनर के मुताबिक, इस साल खर्च 14.6 प्रतिशत बढ़कर 4.15 अरब डॉलर होने की संभावना है।गार्टनर की उपाध्यक्ष विश्लेषक नेहा गुप्ता ने रिपोर्ट में कहा कि डिजिटल बदलाव एजेंडा से प्रेरित भारतीय उपक्रम अपने व्यापक सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) खर्च में सॉफ्टवेयर खर्च की हिस्सेदारी का विस्तार करना जारी रखेंगे। हालांकि, सॉफ्टवेयर खर्च में वृद्धि 2021 की तुलना में 2022 में कम होगी।

गुप्ता ने कहा कि अस्थिर मौजूदा वैश्विक आर्थिक स्थिति ने कारोबार में अनिश्चितता को बढ़ा दिया है। संगठन नई लंबी अवधि की चुनिंदा परियोजनाओं को रोकेंगे और उच्च लागत वाली परियोजनाओं के दायरे को घटाएंगे।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।